कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति -6

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू -6

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए -5

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 रन पर सिमटा भारत -10

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 296, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

लखनऊ में आयोजित 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी में स्काउट परेड के दौरान उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की टीम के बच्चे और आयोजन में शामिल प्रतिभागियों व मौजूद लोगों का सुरक्षा के बीच अभिवादन करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। फोटो : प्रमोद शर्मा

आयोजन के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में शामिल प्रतिभागी।

मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर अपने कैनवास पर उतारता छात्र।

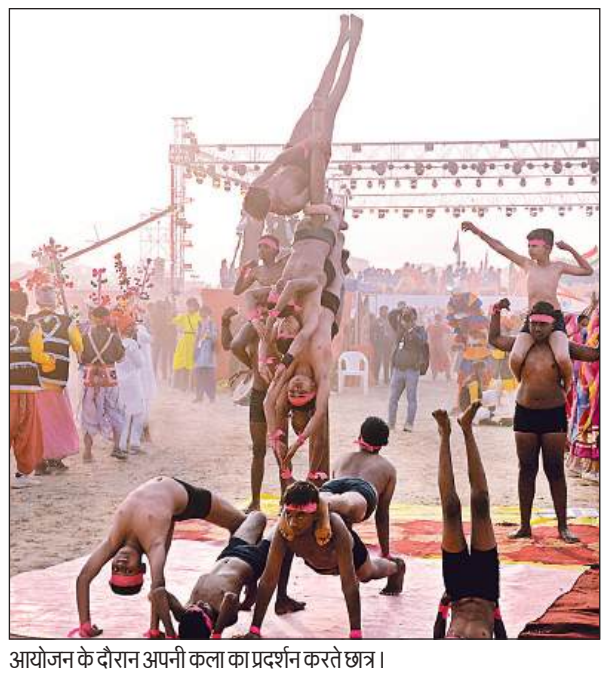

आयोजन के दौरान अपनी कला का प्रदर्शन करते छात्र।

न्यूज ब्रीफ

25 दिसंबर तक बनेंगे आयुष्मान कार्ड

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष्मान भारत–प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 25 नवंबर से 25 दिसंबर 2025 तक विशेष अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेश के सभी जनपदों में एक साथ संचालित होगा। उप्र. में स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेन्सिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज) की मुख्य कार्यपालिका अर्चना वर्मा ने बताया कि विशेष अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र परिवारों के वे सदस्य, जिनका अब तक आयुष्मान कार्ड नहीं बन सका है, उन्हें योजना का लाभ तुरंत उपलब्ध कराया जाए।

प्रदेश के तापमान में आ सकती गिरावट

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में हवाएं कंपकपाने वाली सर्दी लेकर लौटी हैं। उत्तर पश्चिमी हवाओं के लौटने से फिलहाल दिन-रात के तापमान में जहां कमी आएगी, वहीं आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है। इस बीच कई जिलों में कोहरे का भी सिलसिला जारी रहेगा। मौसम केंद्र लखनऊ के प्रमुख की ओर से जानकारी दी गई है कि लखनऊ और आस-पास सुबह के समय कुहासा-कोहरा और बाद में आसमान में धुंध रहने की आशंका है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 और 13 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों तक उत्तर पश्चिमी हवाएं चलती रहेंगी।

खादी महोत्सव में 27 लाख की बिक्री दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर में चल रहे खादी महोत्सव के दौरान प्रतिदिन खादी प्रेमियों की बढ़ती भीड़ देखी जा रही है। प्रदर्शनी में अब तक लगभग 27 .34 लाख रुपये की बिक्री दर्ज की जा चुकी है। बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर ने बताया कि खादी उत्पादों को आधुनिकता से जोड़कर विकसित किया जा रहा है।

गोवंश व्यवस्थाओं को लेकर दिए सख्त निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि निराश्रित गोवंश के बेहतर देखभाल, रखरखाव एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए एक सप्ताह में सभी गोशालाओं का निरीक्षण सुनिश्चित हो। पशुधन मंत्री ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गोआश्रय स्थलों की व्यवस्था गोवंश के रखरखाव एवं सुविधाओं की समीक्षा कर रहे थे। गोआश्रय स्थलों पर गोवंश को ठंड से बचाव के लिए तिरपाल, अलाव, भूसा आदि की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। ठंड से किसी भी गोवंश की मृत्यु न हो।

2500 प्रगतिशील किसानों को मिलेगी ट्रेनिंग

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार प्रदेश में आम के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी में है। इस उद्देश्य से गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेस (इंडीगैप) के प्रयोग एवं सर्टिफिकेशन को लेकर सोमवार को अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि न्यूनतम 2500 किसानों, निर्यातकों एवं एफपीओ को इंडीगैप ट्रेनिंग देकर उनके उत्पादों को प्रमाणित किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के आमों की वैश्विक मांग को देखते हुए निर्यात को नए आयाम देने के लिए इंडीगैप सर्टिफिकेशन कार्यक्रम दो चरणों में संचालित किया जाएगा। प्रथम चरण में प्रगतिशील किसानों, एफपीओ और निर्यातकों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें प्रसंस्करण आधारित उत्पादों की फूड सेफ्टी एवं हाइजीन पर विशेष जोर रहेगा। द्वितीय चरण में चयनित एफपीओ के सहयोग से प्रगतिशील किसानों के प्रक्षेत्रों पर मॉडल फार्म स्थापित किए जाएंगे।

'जंबूरी' बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव

भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का राज्यपाल ने किया उद्घाटन, बच्चों की हौसलाअफजाई की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय जंबूरी में स्काउट गान के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, साथ में राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल व प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार व अन्य।

- बच्चों की प्रतिभा देखकर मन करता है, फिर से बच्चा बन जाऊं : आनंदीबेन पटेल

अमृत विचार : भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी का उद्घाटन सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। राज्यपाल ने डिफेंस एक्सपो ग्राउंड वृंदावन योजना में आयोजित उद्घाटन समारोह में देश-विदेश से आये स्काउट-गाइड्स के उत्साह, अनुशासन और प्रस्तुतियों की सराहना की।

राज्यपाल ने बच्चों की हौसलाअफजाई की और कहा कि आपकी ऊर्जा गर्व का अनुभव कराती है। बच्चों की प्रस्तुतियों को देख प्रफुल्लित हुईं राज्यपाल ने कहा कि आप सभी को देखकर बहुत खुशी होती है। मन में इच्छा होती है कि ईश्वर हमें फिर से छोटा बच्चा बना दे। आप देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड संस्थाएं बच्चों में सेवा, नेतृत्व, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड की 19वीं राष्ट्रीय जंबूरी, हीरक जयंती जंबूरी, संगठन के 75 गौरवशाली वर्षों की पूर्णता का उत्सव है। आयोजन में देश-विदेश के 33,000 से अधिक स्काउट-गाइड प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान ऊर्जा, अनुशासन और सांस्कृतिक उत्साह से भरा वातावरण ''भारत माता की जय'' और वंदे मातरम् के नारों से गुंजायमान रहा।

राज्यपाल ने विभिन्न प्रदेशों और विदेशों से आए स्काउट-गाइड प्रतिभागियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि जंबूरी बच्चों के लिए सीखने, अनुभव साझा करने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच है। उन्होंने आयोजन को भारत की एकता और विविधता का सशक्त प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, उनके व्यक्तित्व का विकास करते हैं और समाज के प्रति कर्तव्यबोध जागृत करते हैं। यह जंबूरी न केवल महोत्सव है, बल्कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी है।

देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों और अभिभावकों ने आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और विशाल स्तर पर हुई तैयारियों की सराहना की। कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, भारत स्काउट एंड गाइड के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. केके खंडेलवाल, उत्तर प्रदेश संगठन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह, जंबूरी महासचिव एवं प्रादेशिक मुख्य आयुक्त प्रशांत कुमार, उत्तर प्रदेश के चीफ पोस्टमास्टर जनरल प्रणव कुमार आदि मौजूद रहे।

एसआईआर में गड़बड़ियों का आरोप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सपा ने राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, केंद्रीय निर्वाचन आयोग से की उच्च स्तरीय जांच की मांग

अमृत विचार : सपा ने मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं और तकनीकी खामियों का आरोप लगाते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। सपा प्रदेश अध्यक्ष की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि 4 नवंबर 2025 से शुरू एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 403 विधानसभा क्षेत्रों के 1,62,486 मतदेय स्थलों पर 15.44 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्रों को गलत तरीके से बीएलओ ऐप में अपलोड किया जा रहा है, जिसे अब एडिट भी नहीं किया जा सकता। वहीं, भारत निर्वाचन आयोग से तत्काल उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

प्रदेश अध्यक्ष ने सोमवार को सौंपे ज्ञापन में बताया कि इस गलत अपलोडिंग का सीधा असर 9 दिसंबर 2025 को जारी होने वाली मतदाता सूची पर पड़ेगा, जिसके बाद बड़ी संख्या में वैध मतदाताओं को ईआरओ द्वारा नोटिस भेजे जाएंगे और दस्तावेज सत्यापन के अभाव में उनके नाम 7 फरवरी 2026 की अंतिम सूची से हट सकते हैं। साथ ही कहा गया कि 2025 व 2003 की मतदाता सूची दोनों में नाम वाले लाखों मतदाताओं ने सही प्रपत्र भरकर जमा किए पर ऐप में 2003 वाली प्रविष्टि "नॉट फाउंड" बताती है। कई स्थानों पर ईआरओ और सुपरवाइजर बीएलओ पर दबाव बनाकर गणना प्रपत्रों को "तृतीय विकल्प" में जबरन सबमिट करा रहे हैं, जिससे मतदाता सूची की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है। सपा मांग करती है कि इन गंभीर गड़बड़ियों की उच्च स्तरीय जांच कर तत्काल सुधार कराया जाए, ताकि करोड़ों मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित रह सकें।

पंचायत आगे आएंगी तभी मिलेगी टीबी से मुक्ति

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने कहा कि टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी संभव है, जब पंचायतें टीबी विरोधी प्रयासों का नेतृत्व अपने हाथ में लें। उन्होंने कहा, "पंचायत स्तर पर समन्वित प्रयास और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के बिना टीबी उन्मूलन संभव नहीं। अपर मुख्य सचिव, सोमवार को क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन को पंचायत स्तर तक लेकर जाने और इसे जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से उत्तर भारत के सात राज्यों के स्वास्थ्य एवं पंचायती राज विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला में संबोधित कर रहे थे।

6 तक जमा होंगे छात्रवृत्ति के आवेदन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पूर्वदशम-दशमोत्तर छात्रवृत्ति 2025-26 की संशोधित समय सारणी जारी

अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग ने सत्र 2025-26 के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं की संशोधित समय-सारणी जारी कर दी है। यह समय-सारणी अनुसूचित जाति-जनजाति, सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के कक्षा 9-10 (पूर्वदशम) और कक्षा 11-12 (दशमोत्तर) दोनों पर लागू होगी।

यह जानकारी समाज कल्याण विभाग के उपनिदेशक एवं योजनाधिकारी आनंद कुमार सिंह ने सोमवार को दी, उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डेटा लॉक करने की प्रक्रिया 25 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 तक चलेगी। इसके उपरांत जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) द्वारा विद्यालयों के डेटा का सत्यापन 25 नवंबर से 8 दिसंबर तक किया जाएगा।

इसके अलावा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के ऑनलाइन आवेदन 25 नवंबर से 6 दिसंबर तक स्वीकार किए जाएंगे, जबकि आवेदन का अंतिम प्रिंट 7 दिसंबर तक निकाल सकेंगे। आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन की हार्डकॉपी 9 दिसंबर तक विद्यालय में जमा करनी होगी।

उपनिदेशक ने बताया कि विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन सत्यापन की अंतिम तिथि 13 दिसंबर तय की गई है। डीआईओएस द्वारा वास्तविक छात्रों की संख्या की जांच 15 से 20 दिसंबर तक होगी। एनआईसी द्वारा डेटा मिलान 15 से 23 दिसंबर, तथा छात्र-स्तर त्रुटियों का निस्तारण 23 से 28 दिसंबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय समिति द्वारा स्वीकृति एवं डेटा लॉकिंग 23 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 के बीच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद छात्रवृत्ति की धनराशि 9 फरवरी 2026 तक छात्रों के बैंक खातों में भेज दी जाएगी।

मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन में जीएम की सेवा समाप्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन (यूपीएमएससीएल) में संविदा पर तैनात महाप्रबंधक उपकरण उज्जवल कुमार की सेवा समाप्त कर दी गई है। यह कार्रवाई सोमवार को कार्पोरेशन के एमडी उज्जवल कुमार (आईएएस) ने विभाग में महिला कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों और वेंडरों की समस्याओं को लेकर की है।

जानकारी के अनुसार, महाप्रबन्धक उज्जवल कुमार पर टेंडर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार कर करोड़ों की संपत्ति अर्जित करने और महिला कर्मचारियों के साथ अनुचित व्यवहार करने सहित कई गंभीर आरोप थे। इसके अलावा, वेंडरों के साथ उनके रवैये को लेकर भी कई शिकायतें आई थीं, जिसमें उन्हें परेशान करने का उल्लेख किया गया। कार्पोरेशन के एमडी उज्जवल कुमार ने शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए कठोर निर्णय लिया और मेडिकल इक्विपमेंट प्रोक्योरमेंट के जीएम की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दीं।

जिले में ही शिकायत का समाधान करें अधिकारी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे पुलिस व बिजली-शिक्षा से जुड़े मामलों की अनदेखी न करने की दी हिदायत

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि जिले में ही डीएम–एसएसपी हर शिकायत का समाधान करें। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता, अवैध कब्जे, पुलिस एवं बिजली-शिक्षा से जुड़े मामलों की अनदेखी न की जाए।

मुख्यमंत्री ने 52 से अधिक फरियादियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और आश्वस्त किया कि सरकार हर पीड़ित के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनें और तय समयावधि के भीतर उनका समाधान कराएं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में होने वाली जनसुनवाई को प्रभावी बनाते हुए किसी भी पीड़ित को समाधान के लिए लंबी प्रतीक्षा न करनी पड़े।

अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

जनता दर्शन में गोरखपुर, शामली, झांसी, कन्नौज सहित कई जिलों से लोग अपनी समस्याओं के साथ पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी की बातें विस्तार से सुनीं और संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

जांच तेज | ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा खान के मामले में 18 खातों में 94 .27 लाख रुपये सीज

फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोहों की तलाश में जुटी एजेंसियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदरसा बोर्ड ने भी चार अधिकारियों पर की कार्रवाई, कई रडार पर

अमृत विचार : संतकबीरनगर के ब्रिटिश मौलाना शमशुल हुदा खान के खिलाफ कार्रवाई के बाद सुरक्षा एजेंसियां फर्जीवाड़ा करने वाले गिरोह की जड़ें तलाशने में जुटी हैं। वहीं, संतकबीरनगर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आठ सदस्यीय एसआईटी गठित की है। आरोपी ब्रिटिश मौलाना के 18 खातों में 94.27 लाख रुपये सीज कर दिए गए हैं। साथ ही एनआरआई, एनआरओ और एनजीओ खातों में विदेशी फंडिंग की जांच के लिए पत्र भेजे जा रहे हैं। उधर, मदरसा बोर्ड ने चार अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इसके अलावा विभाग के करीब आधा दर्जन अधिकारी-कर्मचारी भी रडार पर हैं और उनके खिलाफ जांच शुरू हो गई है। जल्द ही और कार्रवाई की संभावना है।

एटीएस ने मूलतः संतकबीरनगर निवासी मौलाना शमशुल हुदा खान के ब्रिटेन नागरिक होने का खुलासा किया। यह भी सामने आया कि ब्रिटेन में रहने के दौरान भी वह मदरसा शिक्षक के रूप में वेतन लेता रहा। भंडाफोड़ के बाद उसे दिए गए 16.55 लाख रुपये वेतन की वसूली का आदेश जारी किया गया, जिस पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। मौलाना शमशुल हुदा खान आजमगढ़ के मिस्बाहुल उलूम मदरसा में कार्यरत था।

आठ सदस्यीय एसआईटी ने शुरू की जांच

मामले की संवेदनशीलता और शासन की मॉनिटरिंग को देखते हुए एसपी संदीप कुमार मीना ने आठ नवंबर को एसएसआई प्रमोद कुमार यादव को जांच से हटा दिया और एएसपी सुशील कुमार सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित की। इसमें सीओ सिटी अजय सिंह, कोतवाल पंकज कुमार पांडे, एसओजी प्रभारी अजय कुमार सिंह, विवेचक ललितकांत यादव और एसआई अनिल कुमार यादव समेत आठ अधिकारी शामिल हैं। एसआईटी बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज एकत्र कर विदेशी फंडिंग की प्रकृति का पता लगा रही है। जांच में पता चला है कि शमशुल हुदा और उनके बेटे तौसीफ रज़ा खान के एचडीएफसी बैंक में पांच खाते, सेंट्रल बैंक में दो, एसबीआई में तीन और आईसीआईसीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटक महिंद्रा तथा पीएनबी में एक-एक खाते हैं।

नियमों के अनुसार विदेशी नागरिकता लेने के बाद सेवा स्वतः समाप्त हो जाती है, लेकिन उन्होंने इसे छिपाया। विभागीय जांच में पता चला कि सेवा अवधि में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और पाकिस्तान की यात्राएं कीं। 2022 में खुलासा होने पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग और एटीएस ने संयुक्त जांच शुरू की। सरकार ने गलत तरीके से वेतन व लाभ मंजूर कराने के आरोप में शेष नाथ पांडेय, निष्कर्ष सिंह, लालमन और प्रभात कुमार को निलंबित कर दिया है।

एनसीआर से सटे जिलों की हवा बेहद खराब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लखनऊ, बरेली और कानपुर में भी वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर

अमृत विचार : प्रदेश के उन जिलों की वायु गुणवत्ता काफी खराब स्थिति में है, जो दिल्ली-एनसीआर से सटे हैं। देशभर में गाजियाबाद सबसे प्रदूषित शहर रिकार्ड हुआ है। हापुड़ का एक्यूआई 420 और नोएडा का 418 रिकार्ड हुआ।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, लखनऊ, बरेली और कानपुर में भी वायु प्रदूषण चिंताजनक स्तर पर है। खासकर लखनऊ और कानपुर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। लखनऊ में एक्यूआई 361 के आसपास है, जबकि कानपुर में यह 388 है। बरेली में भी यही स्थिति है। गंभीर तथ्य यह है कि दिल्ली की स्थिति गाजियाबाद, हापुड़ और नोएडा से बेहतर है। वैसे सबसे प्रदूषित शहरों में मेरठ मंडल से गाजियाबाद, हापुड़, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत के साथ मुजफ्फरनगर शामिल है।

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति
-6

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू
-6

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए
-5

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 रन पर सिमटा भारत
-10

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 296, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

अलविदा ही मैन..

धर्मेंद्र ने वर्ष 1958 में निर्माता-निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म ''दिल भी तेरा हम भी तेरे'' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में एंट्री ली, इसके बाद करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया की अहम शख्सियत बने रहे। इस बीच उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1966 में फिल्म फूल और पत्थर की सफलता ने उन्हें ही मैन की पहचान दी। इस फिल्म में दमदार अभिनय के कारण वह फिल्मफेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार के लिए भी नामांकित किए गए। वर्ष 1997 में फिल्मफेयर के लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। अपने शानदार व्यक्तित्व के कारण उन्हें बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' उपनाम भी मिला। अमेरिका की प्रसिद्ध टाइम मैगजीन का विश्व के दस सुंदर व्यक्तियों में उन्हें प्रथम स्थान देकर उनके चित्र को मुखपृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था।

08 दिसंबर 1935 ...24 नवंबर 2025

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकते सितारे का अवसान

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी... अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में भी शामिल हैं।

विले पार्ले में पवन हंस श्मशान भूमि में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी पत्नी और जानीमानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त,रणवीर सिंह ,दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे।

नहीं चमक पाए थे राजनीति में

धर्मेंद्र ने दशकों तक बड़े पर्दे पर राज किया लेकिन राजनीति में नहीं चमक पाए। 2004 में उन्होंने राजस्थान के बीकानेर से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़कर जीता। लेकिन संसद में पहुंचने के बाद उनका राजनीति से जल्द ही मोहभंग हो गया। संसद में उनकी उपस्थिति बेहद कम रही। बाद में उन्होंने कहा था, मैं यह नहीं कहूंगा कि राजनीति में आना कोई गलती थी, लेकिन एक अभिनेता को राजनीति में नहीं आना चाहिए क्योंकि इससे दर्शकों और प्रशंसकों के बीच सामान्य स्वीकृति में विभाजन पैदा होता है। अभिनेता को हमेशा अभिनेता ही रहना चाहिए।

अभिनेता एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है। सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक, भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती के रूप में वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। - **द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति**

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। जिस तरह उन्होंने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए प्रशंसित थे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। - **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस: प्रदेश में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर मंगलवार को सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर बंद रहेंगे। इस दिन गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। योगी सरकार ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए गुरु तेग बहादुरजी के बलिदान दिवस पर घोषित अवकाश की तिथि बदल दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार पहले यह अवकाश 24 नवंबर को निर्धारित था, अब इसे 25 नवंबर कर दिया गया है। प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन मनीष चौहान ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

तमिलनाडु के तेनकासी में दो बसों की टक्कर में छह की मौत

तेनकासी। तेनकासी जिले के इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच महिला और एक पुरुष था। पुलिस के मुताबिक यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई। एक बस मदुरै से सेनकोट्टई और जबकि दूसरी तेनकासी से कोविलपट्टी/शंकरनकोविल जा रही थी। जांच से पता चला है कि हादसा एक चालक के तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की वजह से हुआ। आशंका है कि ओवरटेक करते समय किसी बस ने गलत दिशा में गाड़ी चला दी होगी।

संजय कपूर चुने गए एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार संजय कपूर को निर्विरोध एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का अध्यक्ष चुना गया है। हार्ड न्यूज के संपादक संजय कपूर वरिष्ठ पत्रकार अनंत नाथ का स्थान लेंगे। द हिंदू बिजनेस लाइन के पूर्व संपादक राघवन श्रीनिवासन और थंब प्रिंट एनई की प्रधान संपादक टेरेसा रहमान को एडिटर्स गिल्ड की 22 नवंबर को हुई वार्षिक आम बैठक में क्रमश: गिल्ड का निर्विरोध महासचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है। नए पदाधिकारियों की घोषणा एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की चुनाव समिति ने की, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई और विजय नाइक शामिल थे। श्रीनिवासन और रहमान वरिष्ठ पत्रकार रूबेन बनर्जी और के वी प्रसाद का स्थान लेंगे।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदा संबंधी याचिका पर नोटिस

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और दूसरे पक्षों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का ''गुमनाम'' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता कमजोर होती है और मतदाता वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं।

याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले, पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया से पूछा कि उन्होंने हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। हंसारिया ने कहा कि यह याचिका देश भर में सभी राजनीतिक दलों और उन्हें मिलने वाले वित्तपोषण से संबंधित है। पीठ ने इस पर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए निर्वाचन आयोग, केंद्र और भाजपा तथा कांग्रेस जैसे कई राजनीतिक दलों सहित अन्य को नोटिस जारी किए।

आईटी एक्ट की धारा 13ए का खंड डी असंवैधानिक

याचिका में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13ए के खंड (डी) को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द करने की मांग की गई है और साथ ही सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया गया था। वकील जयेश के उन्नीकृष्णन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता यह निर्देश चाहता है कि राजनीतिक दल उन्हें कोई भी धनराशि देने वाले व्यक्ति का नाम और अन्य सभी विवरण उजागर करें तथा कोई भी धनराशि नकद में प्राप्त न की जाए, ताकि राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता बनी रहे। अधिनियम की धारा 13ए राजनीतिक दलों की आय से संबंधित विशेष प्रावधान से जुड़ा है।

जिस चंदे की पहचान नहीं, उसे वापस कराए निर्वाचन आयोग

याचिका में कहा गया कि अधिनियम में धारा 13ए जोड़ी गई है और राजनीतिक दलों को मिलने वाली जमानत राशि पर ब्याज, मकान/संपत्ति से आय, अन्य स्रोतों से आय, तथा स्वैच्छिक चंदे के रूप में मिलने वाली किसी भी रकम को कुल आय की गणना से मुक्त रखा गया है। याचिका में यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि निर्वाचन आयोग सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के फॉर्म 24ए (चंदा विवरण) की जांच करे और जिन चंदों में दाता का पता या पैन नहीं दिया गया है, उस राशि को संबंधित दलों से वापस जमा करवाए। याचिका में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को पिछले पांच वर्षों के दौरान आयकर अधिनियम की धारा 142 और 143 के तहत राजनीतिक दलों द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट की जांच करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

भारत की बेटियां कबड्डी में भी विश्व चैंपियन

ढाका(बांग्लादेश) के शहीद सुहरावर्दी इंडोर स्टेडियम में खेले गए फाइनल में भारतीय महिला टीम ने चीनी ताइपे की टीम को 35-28 के स्कोर से हराकर महिला कबड्डी विश्व कप-2025 का खिताब अपने नाम किया। 11 देशों के टूर्नामेंट में भारत की बेटियां शीर्ष पर रहीं। भारतीय महिला कबड्डी टीम का यह लगातार दूसरा विश्वकप है। खबर खेल पेज पर ...

समुद्र में उतरा माहे श्रेणी का पहला युद्धपोत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने के बाद नौसेना की युद्ध क्षमता में बढ़ने की उम्मीद जताई गई है। यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का हिस्सा है। यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता का भी प्रतीक कहा गया है।

आईएनएस माहे के जलावतरण समारोह के मुख्य अतिथि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके सेवा में शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

दिल्ली में 50% कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- **प्रदूषण रोकने को राज्य सरकार ने जारी किया बाध्यकारी आदेश**

दिल्ली में वायु प्रदूषण से लगातार खराब होते हालात के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का आदेश जारी किया है। बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारी घरों से काम करेंगे।

यह आदेश चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के अनुसार सोमवार को जारी किया गया है। पर्यावरण विभाग की ओर से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के अंतर्गत जारी इस आदेश के दायरे में राष्ट्रीय राजधानी में चलने वाले दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों के साथ निजी प्रतिष्ठान भी शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि सरकारी कार्यालयों में सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय आएंगे और 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं होंगे।

आज बंद हो जाएंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वविख्यात बदरीनाथ धाम के कपाट आज शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे और इसी के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा का औपचारिक समापन हो जाएगा।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अनुसार, मंगलवार अपराह्न दो बजकर 56 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। गढ़वाल हिमालय के चार में से तीन धामों के कपाट पहले ही बंद किए जा चुके हैं।

भारत के 53वें सीजेआई बने न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथग्रहण करातीं राष्ट्रपति मुर्मू।

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष हिंदी में ली शपथ, सेवानिवृत्त होने तक 15 महीने रहेंगे शीर्ष न्यायिक पद पर**

छह देशों के जज हुए समारोह में शामिल

इस बार का शपथ ग्रहण समारोह इस दृष्टि से भी ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका समेत छह देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। यह पहली बार है कि भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में इतना बड़ा विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया था, वह नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे और उन्होंने भी न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बधाई दी। शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जय श्री राम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भगवा ध्वज फहराकर करेंगे राममंदिर का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा

रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाई अयोध्या, गूंजने लगी रामधुन

- **सरयू जल से स्नान करेंगे पीएम, संघ प्रमुख समेत कई हस्तियां पहुंचीं अयोध्या**

रंग-बिरंगी रोशनी में नहाया राम मंदिर। - अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: श्रीराम मंदिर ध्वजारोहण को लेकर राम की नगरी अयोध्या रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा गई। राम धुन गूंजने लगी है। प्रधानमंत्री मंगलवार को श्री राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज चढ़ाकर राममंदिर का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संघ प्रमुख समेत कई हस्तियां अयोध्या पहुंच गई हैं।

आम लोगों में मंगलवार के आयोजन को लेकर उत्साह है। पूरे नगर को साफ सुथरा करके सजाया गया है। लाइटें जगमगा रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत मंगलवार को मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष में श्रीराम और माँ सीता की विवाह पंचमी के अभिजीत मुहूर्त मध्याह्न में श्री राम मंदिर के शिखर पर 10 फिट ऊंचे और 20 फिट लंबे समकोण वाले तिकोने झंडे का आरोहण करेंगे। ध्वज पर भगवान श्री राम की प्रतिभा और वीरता का प्रतीक चमकता सूरज, कोविदार वृक्ष की तस्वीर के साथ 'ॐ' लिखा होगा। पवित्र भगवा झंडा रामराज्य के आदर्शों को दिखाते हुए एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा। मोदी हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद हैलीकॉप्टर से साकेत महाविद्यालय पहुंचेंगे। वहां से रोड-शो के रूप में श्री रामजन्मभूमि मंदिर पहुंचेंगे। यहां वह सरयू जल से स्नान करेंगे। इसके बाद मंदिर के परकोटे में पहुंचेंगे। यहीं से दर्शन पूजन की शुरूआत हो जाएगी। उम्मीद है कि सुबह करीब 10 बजे प्रधानमंत्री सप्तमंदिर पहुंच जाएंगे। महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी के मंदिरों में भी शीश झुकाएंगे। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर भी जाएंगे।

श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या में दर्शन पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला हादसा, गलत रनवे पर उतरा अफगानी विमान

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब काबुल से आ रहा एरियाना अफगान एयरलाइन का एक विमान गलती से उस रनवे पर उतर गया, जहां से एक दूसरा विमान उड़ान भर रहा था। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियामक ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि रनवे 29-आर पर ही एक अन्य विमान उड़ान भर रहा था। अफगानी विमान के गलत रनवे पर उतरने से बड़ा हादसा बाल-बाल बच गया। इस घटना से हवाई अड्डा प्रशासन में अफरातफरी फैल गई।

उच्च पद पर अस्थायी रूप से काम करने पर भी मिलेगा उस पद का वेतन

- सेवा नियमों से जुड़े एक मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सेवा नियमों से जुड़े एक मामले में कहा कि यदि कोई कर्मचारी स्थानापन्न क्षमता में उच्च पद पर काम करता है, तो नियमित पदोन्नति न होने पर भी वह उस अवधि के लिए उच्च पद के वेतन का हकदार है। ऐसे मामलों में उच्च वेतन से इनकार करना कानून के साथ-साथ सार्वजनिक नीति के भी विपरीत है। उक्त आदेश मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेन्द्र की खंडपीठ ने उमाकांत पांडेय द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

मामले के अनुसार याची रेलवे इंटर कॉलेज, मुगलसराय में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के रूप में कार्यरत थे। 30 नवंबर, 2004 को प्रधानाध्यापक (जूनियर विंग) की सेवानिवृत्ति के बाद विभाग ने उन्हें स्थायी नियुक्ति होने तक 'शिक्षक प्रभारी' के रूप में कार्यभार सौंपा। याची ने लगभग तीन वर्ष चार माह तक (1 दिसंबर 2004 से 6 मार्च 2008) यह दायित्व निभाया। लेकिन रेलवे प्रशासन ने उन्हें उच्च वेतनमान देने से इनकार करते हुए तर्क दिया कि उन्हें कभी औपचारिक रूप से पदोन्नत नहीं किया गया था और कोई नियम उन्हें हेडमास्टर का वेतन देने का समर्थक नहीं है।कैटने भी यह तर्क स्वीकार कर याची के दावे को खारिज कर दिया। कोर्ट ने आदेश पलटते हुए कहा कि विभाग ने स्वयं याची को अनुशासनात्मक कार्यवाही में हेड मास्टर संबोधित किया, इसलिए अब यह कहना कि वे केवल नियमित कार्य कर रहे थे, असंगत है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि याची केवल नियमित कार्य ही कर रहे होते, तो विद्यालय तीन वर्ष से अधिक नहीं चल पाता। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक मामले का हवाला देते हुए कहा कि वास्तविक रूप से उच्च पद पर कार्य करने वाले व्यक्ति को 'क्वांटम मेरिट' के आधार पर वैध वेतन मिलना चाहिए। रेलवे द्वारा "दोहरे प्रभार भत्ते" के नियमों पर निर्भरता को कोर्ट ने अस्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि यह अतिरिक्त प्रभार नहीं, बल्कि वैकेंसी के स्थानापन्न कार्यभार का मामला था।

पति की गरीबी के कारण उससे अलग होने वाली पत्नी भरण- पोषण की हकदार नहीं

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण-पोषण से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, चंदौली के आदेश को सही ठहराते हुए माना कि बिना पर्याप्त कारण पति से अलग रह रही पत्नी का सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण-पोषण का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता है और यह दावा उसे स्थिति में और भी अमान्य हो जाता है जबकि रिकॉर्ड पर आए दस्तावेजों में उसके दूसरे पुरुष के साथ रहने के संकेत स्पष्ट मिले हों। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने श्रीमती गुड़िया की ओर से दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट के तथ्यात्मक निष्कर्ष साक्ष्यों पर आधारित हैं। रिकॉर्ड के अनुसार महिला ने स्वीकार किया था कि वह अपनी इच्छा से मायके में रह रही थी ।पति की खराब आर्थिक स्थिति को उसने अलग रहने का कारण बताया।

केवल लंबित आपराधिक मुकदमों के आधार पर शस्त्र लाइसेंस रद करना अवैध

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शस्त्र लाइसेंस रद्द करने के एक मामले में आजमगढ़ जिला प्रशासन की उस कार्यवाही को पूरी तरह पलट दिया, जिसमें याची का शस्त्र लाइसेंस केवल दो आपराधिक मुकदमों के दर्ज होने के आधार पर रद्द कर दिया गया था। कोर्ट ने माना कि शस्त्र लाइसेंस विशेषाधिकार हो सकता है, पर उसे छीनने के लिए पुख्ता और विधिक कारण होना अनिवार्य है। कोर्ट ने यह भी पाया कि जिलाधिकारी के आदेश में कहीं भी यह नहीं बताया गया कि लाइसेंसधारी ने हथियार का कौन-सा दुरुपयोग किया। एसएचओ की रिपोर्ट और एफआईआर को ही आधार बना देना हाईकोर्ट को "पूर्णत: असंतोषजनक" लगा। उक्त आदेश न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की एकलपीठ ने अरविंद राय की याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार वर्ष 2010 में याची के विरुद्ध एक मामला आईपीसी तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत और दूसरा आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किया गया।

छोटे भाई ने ही की थी बड़े की हत्या

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : सगे भाई शराब के नशे में इस कदर धुत हुए कि रिश्ते किनारे रह गए और दोनों में मारपीट शुरू हो गई। छोटे भाई ने लाठी से ऐसा वार किया कि बड़े भाई की मौत हो गयी। घटना की रात शव ठिकाने लगाकर छोटा भाई गायब हो गया। हिरासत में रहे छोटे भाई ने जुर्म कुबूल कर लिया है, पुलिस ने उसे जेल भेज दिया। 22 नवंबर को ग्राम बिबियापुर निवासी रामविलास त्रिवेदी के बड़े पुत्र राजेन्द्र का शव घर में मिला था। घटना की रात से गायब छोटे भाई लवलेश को पुलिस ने दबोचा और पूछताछ शुरू की। उसने बताया कि नशे में बड़े भाई राजेन्द्र से कहासुनी हुई। उसने लाठी से राजेन्द्र पर वार कर दिया था।

टीम ने नष्ट कराया एक लाख का मिलावटी पनीर और दूध

बाराबंकी, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने लखनऊ-अयोध्या हाईवे और आसपास के क्षेत्रों में कुल 18 प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान गुणवत्ता संदिग्ध मिलने पर करीब एक लाख कीमत का पनीर और दूध नष्ट कराया गया

इसी क्रम में देवा रोड, रेलवे ओवर ब्रिज के पास संचालित डेयरी का निरीक्षण किया गया। मौके पर पनीर, क्रीम और मिश्रित दूध अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में तैयार होते पाए गए।

टीम ने मौके पर 120 किलो पनीर, 100 किलो क्रीम और 50 लीटर मिश्रित दूध बरामद किया। गुणवत्ता संदिग्ध पाए जाने पर इन सभी का विधिक नमूना जांच के लिए संकलित किया गया। इन खाद्य पदार्थों को मौके पर नष्ट कर दिया गया। नष्ट किए गए सामान का अनुमानित मूल्य 1,03,500 रुपये था।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि खाद्य कारोबारियों को हाइजीनिक परिस्थितियों के बाद ही व्यवसाय संचालन करने की अनुमति दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में निर्माण और भंडारण रोकते हुए संबंधित प्रतिष्ठान को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया।

डंपर से भिड़ी डीसीएम चालक की मौत

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में किसान पथ पर रविवार की रात हुए एक हादसे में डीसीएम आगे चल रहे डंपर से टकरा गयी। हादसे में गंभीर रूप से जख्मी डीसीएम चालक को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई। शव की पहचान सीतापुर जिले के थाना खैराबाद क्षेत्र के रफतपुर गांव निवासी अजय मिश्र (27) पुत्र संदीप मिश्र के रूप में हुई। वह दूध सप्लाई वाहन (डीसीएम) चलाता था । रविवार शाम अजय डीसीएम से लखनऊ की ओर जा रहा था किसान पथ पर चल रहे डंपर से उसका वाहन टकरा गया।

स्वामी विवेकानन्द महिला महाविद्यालय
एल्डिको–II- के पीछे, शारदा नगर, लखनऊ
निकट भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय
अल्पसंख्यक संस्थान
डी.एल.एड. सत्र – 2025–26 में प्रवेश हेतु
वेबसाइट : www.svnmvedu.com.org/online registration
दिनाँक– 24 नवंबर 2025 से 15 दिसम्बर 2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित है। जो शासनादेश संख्या–1169/अरसठ–4–2025–2026/2013 बेसिक शिक्षा अनुभाग–4 दिनाँक–12/11/2025 से आच्छादित होगा।
MOB: 9415418340, 9919515793 (मोहन सिंह) प्रबंधक

श्री महावीर प्रसाद महिला महाविद्यालय
सूर्यनगर, राजाजीपुरम, लखनऊ
अल्पसंख्यक संस्थान
डी.एल.एड. सत्र – 2025–26 में प्रवेश हेतु
वेबसाइट : smpmv.org/registration-form/
दिनाँक– 24 नवंबर 2025 से 15 दिसम्बर 2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित है। जो शासनादेश संख्या–1169/अरसठ–4–2025–2026/2013 बेसिक शिक्षा अनुभाग–4 दिनाँक–12/11/2025 से आच्छादित होगा।
MOB: 8957464559, 9335905250 (अवधेश सिंह) प्रबंधक

सूचना
मैं, स्मिता सिंह उर्फ़ स्मिता कुमार, निवासिनी जी–115 आदर्श नगर, लखनऊ, यह घोषित करती हूँ कि मेरे दोनों नाम एक ही व्यक्ति को संदर्भित करते हैं। आगे किसी भी दस्तावेज़ में स्मिता सिंह या स्मिता कुमार दोनों नाम मेरा ही मान्य नाम होंगे।

सूचना
पहले मेरा नाम MARWAN था मैं अपना नाम बदल कर MOHD MARWAN ABBASI रख लिया हूं इसी नाम से जाना वह पहचान जाए। MOHD MARWAN ABBASI S/O- MOHD HABIB ABBASI ADD-151/96 RATH KHANA HATA SULEMAN KADAR MAULVIGANJ AMINABAD LUCKNOW DIST-LUCKNOW (U.P)

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं, अजय सिंह पुत्र प्रेम सिंह बिष्ट, निवासी सेक्टर 4बी/104 वृन्दावन योजना, निकट गोल्ड स्टार अपार्टमेन्ट, लखनऊ। मेरे ग्रेज्यूशन की मूल डिग्री/ मार्कशीट जो कि MTU (AKTU) द्वारा जारी MCA वर्ष 2010–2013, रोल नंबर 1003014006 की मेरी मूल डिग्री/मार्कशीट वास्तव में खो गयी है।

सूचना
मैं अपना नाम ALIA BEGAM से बदलकर ALIYA BEGAM सारे डॉक्यूमेण्ट पर रख लिया हूं। भविष्य में मुझे इसी नाम से जानी व पहचानी जाती हूं। ALIYA BEGAM W/O MOHD SAHJAD KHAN, VILL-PURE GOUHAR MAJRE GADRIYA DIH POST DOMADIH AMETHI-227809

सूचना
मैं, ज्ञान चन्द मंध्यान आत्मज स्व शंकर लाल मंध्यान, निवासी सी – 2239, सी– ब्लाक, इंदिरा नगर, लखनऊ घोषणा करता हूँ की मेरे सगे भाई जयराम दास मंध्यान, सुनील कुमार मंध्यान, सुशील कुमार मंध्यान, स्व0 हरीश कुमार मंध्यान पुत्रगढ़ स्व0 शंकर लाल मंध्यान के समाज विरोधी गतिविधियों , अनुचित व्यवहार अथवा परिवार की प्रतिष्ठा एवं छवि को क्षति पहुँचाने वाले आचरण के कारण मैंने इन सभी से संबंध विच्छेद कर लिया है एवं अपनी समस्त चल, अचल सम्पत्ति से पूर्णत: बेदखल कर रहा हूँ, जिसमें खसरा संकया 684/8, रसूलपुर सादात, बी.के.टी , लखनऊ एवं मकान सं0– सी–2239, इंदिरा नगर लखनऊ भी सम्मिलित है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य/ व्यवहार के प्रति मेरा कोई वास्ता सरोकार न होगा।

सूचना
मैने अपना नाम ABHISHEK से बदलकर ABHISHEK KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-MITHLESH ADD-HARAUNI SHAMSUDDINPUR PS-HASANGANJ DIST-UNNAO-229881 (U.P)

NOTICE
Ajay Singh, have lost my original Degree/Mark sheets issue by MTU(AKTU) for MCA, Year 2010 - 2013, Roll No - 1003014006.It is misplaced in the market area of SGPGI on 23/11/2025.If anyone finds it, please contact me at 9235118858.I declare these documents stand invalid if misused.

सूचना
मैं सवारी देवी हमने अपनी पोती जिनका नाम रिद्धि तिवारी व सिद्धि तिवारी पुत्री स्वर्गीय प्रमोद कुमार तिवारी गलत आचरण व परिवार में अभद्र व्यवहार करने से परिवार की छवि धूमिल करने के कारण उनसे अपने सभी प्रकार के संबंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य लेनदेन व्यवहार के प्रति हम लोगों का परिवार के अन्य सदस्यों से कोई सरोकार व वास्ता न होगा वह लोग हमारी चल व अचल सम्पत्ति हिस्सा पाने के हकदार नहीं होंगे पता E4M/184 अलीगंज लखनऊ

शादी से लौट रही महिला के बैग से लाखों के जेवर चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : जैदपुर थाना क्षेत्र में शादी समारोह से लौट रही एक महिला के बैग से लाखों के जेवर चोरी हो गए।

भिटहरा निवासिनी रेखा पत्नी नीरज सोमवार को मसौली में एक शादी समारोह से लौट रही थीं। जैसे ही वह ई-रिक्शा से पल्हरी चौराहा पहुंचीं, उन्होंने देखा कि उनका बैग खुला हुआ है। शक होने पर जब उन्होंने बैग की जांच की तो उसमें रखे लाखों रुपये के जेवरात का डिब्बा गायब था। बैग से ढाई हजार रुपये नकद भी चोरी हो चुके थे। रेखा ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास मौजूद लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। उसी समय यातायात प्रभारी रामयतन यादव भी मौके पर पहुंच गए। रेखा के संकेत पर ई-रिक्शा में बैठी एक अन्य महिला के सामान की तलाशी ली गई। तलाशी में रेखा का ज्वैलरी बॉक्स बरामद हो गया, जिसकी कीमत करीब छह लाख रुपये बताई जा रही है। हालांकि, तलाशी के दौरान मौका पाकर संदिग्ध महिला भीड़ को चकमा देकर फरार हो गई। रेखा ने कोतवाली पहुंचकर घटना की तहरीर दी। कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि चोरी की घटना गंभीर है, आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

कोठी, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में एक युवक का अर्द्धनग्न शव घर के एक कमरे में फांसी के फंदे से लटकता मिला। घटना के पीछे पत्नी से चल रहा विवाद कारण बनकर सामने आया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र के अमसेरूवा गांव में रहने वाले कमलेश साहू (38) पुत्र मंशाराम का शव घर के अंदर कमरे में रस्सी से बने फंदे से लटकता मिला। सोमवार सुबह परिजनों ने घर का नजारा देखा तो रोना पिटना मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दुकान से 90 हजार की नकदी चोरी

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के शहाबपुर चौराहे पर स्थित एक मोबाइल दुकान में बीती रात चोरों ने धावा बोलकर बड़ी चोरी को अंजाम दिया। घटना शनिवार देर रात की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दुकान के मालिक मो. रकीब पुत्र मो. शफीक, निवासी ग्राम शहाबपुर की मोबाइल बेचने की दुकान का अज्ञात चोरों ने शटर व ताला तोड़ दिया। चोर दुकान के भीतर घुसकर वहां रखे नए व पुराने टच मोबाइल तथा करीब 90 हजार रुपये नकद चोरी करके फरार हो गए। दुकान में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है, जिसके फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की संभावना जताई जा रही है। पीड़ित ने थाना मसौली पहुंचकर घटना की लिखित तहरीर दी।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या
निविदा आमंत्रण सूचना (एस0बी0डी0)
(ई–प्रोक्यूरमेंट सूचना)

पत्रांकः– 6666/54(1)काम (सीडी–4)–अयो0अ0वृत्त दिनांक – 12.11.2025

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अ0वृ0,लो0नि0वि0, अयोध्या लोक निर्माण विभाग में मार्ग वर्ग में रजिस्टर्ड एवं अनुमोदित ठेकेदारों से आइटम दरों के आधार पर आनलाईन निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र0 सं0	जिला	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य व जी0एस0टी0 सहित (रू0 में)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य सम्पादित करने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विधान सभा रूदौली										
1	अयोध्या	जनपद अयोध्या में अमानीगंज मार्ग से एन0एच0–28 (वाया ऐहार गौहन्ना मीसा) मार्ग अ0जि0मा0 के चैनेज 0.000 से 14.240 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य	1950.00	30.00	12 माह	2714.00	शा0सं0–28/2023/1556/तेइस–7– 2023–176सा/2006 दि0 05.12.2023 के अनुसार	अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0–4, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता अयो0अ0वृ0 लो0नि0वि0 अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अ0क्षे0, लो0नि0वि0 अयोध्या
2	अयोध्या	जनपद अयोध्या में भेलसर–टिकैतनगर–रामनगर–फतेहपुर मार्ग (राज्य मार्ग) (लम्बाई 8.00 किमी0) का दो लेन बिद पेव्ड सोल्डर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य	2200.00	33.00	15 माह	2714.00	शा0सं0–28/2023/1556/तेइस–7– 2023–176सा/2006 दि0 05.12.2023 के अनुसार	अधिशासी अभियन्ता, नि0ख0–4, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता अयो0अ0वृ0 लो0नि0वि0 अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अ0क्षे0, लो0नि0वि0 अयोध्या

निविदा से संबंधित नियम/शर्तें तथा विवरण http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध हैं।

1– बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोडते हुये लगायी गयी है।

2– निविदा आनलाईन दिनांक 02.12.2025 से दिनांक 09.12.2025 को अपरान्ह 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 09.12.2025 को 12.30 बजे खोली जायेगी तथा अर्ह निविदादाताओं की वित्तीय बिड कार्यालय आदेशानुसार निर्धारित समय, दिनांक एवं स्थान पर खोली जायेगी।

3– शासनादेश संख्या 1/2018–3070/78–2–2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय मे प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा मे शासनादेश मे निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

4– निविदा सम्बन्धी अधिक जानकारी वेब साईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है

प्रमाणित किया जाता है कि निविदा में लगायी गयी समस्त शर्तो/नियमों को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जांच कर ली गयी है, जो सही है।

(शशि भूषण सिंह)
अधिशासी अभियन्ता,
निर्माण खण्ड–4
लो0नि0वि0,अयोध्या

(ओम प्रकाश वर्मा)
अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अ0वृत्त, लो0नि0वि0
अयोध्या

UP-241101 दिनांक 21.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

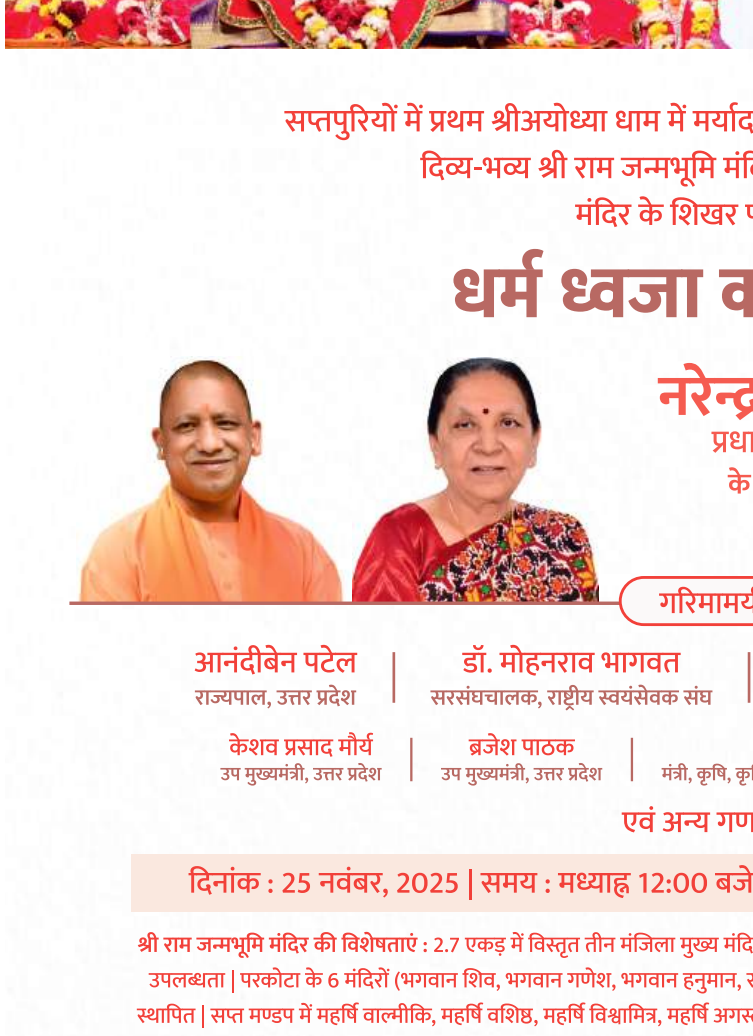

सप्तपुरियों में प्रथम श्रीअयोध्या धाम में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि पर
दिव्य-भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में
मंदिर के शिखर पर 22X11 फीट की

धर्म ध्वजा का पुनर्स्थापन

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
के द्वारा

गरिमामयी उपस्थिति

आनंदीबेन पटेल, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश | डॉ. मोहनराव भागवत, सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ | योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश | महंत नृत्यगोपाल दास, अध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास
केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश | ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश | सूर्य प्रताप शाही, मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान, उत्तर प्रदेश | जयवीर सिंह, मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश
एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 25 नवंबर, 2025 | समय : मध्याह्न 12:00 बजे | स्थान : श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर, श्रीअयोध्या धाम

श्री राम जन्मभूमि मंदिर की विशेषताएं : 2.7 एकड़ में विस्तृत तीन मंजिला मुख्य मंदिर परिसर | श्रद्धालुओं, दर्शनार्थियों एवं पर्यटकों के लिए आवश्यक समस्त सुविधाओं की उपलब्धता | परकोटा के 6 मंदिरों (भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती एवं देवी अन्नपूर्णा) तथा शेषावतार मंदिर पर ध्वजदण्ड एवं कलश स्थापित | सप्त मण्डप में महर्षि वाल्मीकि, महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, रामभक्त निषादराज, माता शबरी एवं ऋषि पत्नी अहिल्या का मंदिर | संत तुलसीदास मंदिर तथा रामभक्त जटायु एवं गिलहरी की प्रतिमाएं स्थापित | 10 एकड़ में पंचवटी, 3.5 किमी लंबी चहारदीवारी, ट्रस्ट कार्यालय, अतिथि गृह, सभागार इत्यादि

काम दमदार-डबल इंजन सरकार

लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

सिटी ब्रीफ

शादी से लौट रहे युवक पर चाकू व डंडे से हमला

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में शादी से लौट रहे युवक पर दबंगों ने चाकू और डंडों से हमला कर दिया। घायल पीड़ित ने पास के घर में जाकर अपनी जान बचाई। मारपीट की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम बरौना निवासी दीपक 22 नवंबर को गांव में आयोजित शादी समारोह में गया था। खाना खाकर लौटते समय मोहल्ले में पुरानी रंजिश में शुभम रावत, अमरजोत और संतोष ने उसे रोक लिया। हमला करते ही आरोपियों ने चाकू और लाठी-डंडों से वार किया। घायल युवक ने किसी तरह पास के बंशीलाल के घर में घुसकर अपनी जान बचाई। आरोपी वहां भी पहुंचे और धमकाते हुए फरार हो गए।

पिटाई से युवक की आंख पर लगी चोट

अमृत विचार, गोसाईंगंज : यूसुफ नगर के बगियामऊ में 21 नवंबर की रात दो पक्षों के झगड़े में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले में उसकी बायीं आंख पर चोट लगी। पत्नी ने उसे इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। पीड़िता प्रीति यादव ने बताया कि उनके पति बब्लू यादव पर कल्लू यादव उर्फ अंकुर और उसके साथियों ने जमकर हमला किया। शिकायत के बाद भी पुलिस ने तात्कालिक कार्रवाई नहीं की। सोमवार को प्रीति यादव ने डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल से मामले की शिकायत कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

बैंक जा रहे युवक को बेरहमी से पीटा

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी के नरहरखेड़ा सेवई निवासी मंदीप यादव 22 नवंबर को बाइक से बैंक जा रहे थे। सरयू अपार्टमेंट के सामने आरोपी राजा यादव, उसके भांजे शिव यादव और दो अन्य ने ओवरटेक कर उन्हें रोक लिया और डंडे व धारदार हथियार से हमला कर दिया। पिटाई से मंदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों को आते देख आरोपी धमकाते हुए फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक की हत्या कर बोरियों में बांधकर नाले में फेंका

मोहनलालगंज निवासी युवक शनिवार से था लापता, नहीं दर्ज थी गुमशुदगी

संवाददाता, निगोहां

- दोनों बोरियों में भरी मिली थी गिट्टी और मौरंग

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गौतमखेड़ा स्थित बांक नाले में सोमवार को एक युवक का शव बोरियों में बांधकर फेंका हुआ मिला। शव को दो बोरियों में गिट्टी और मौरंग भरकर इस तरह बांधा गया था कि वह नाले की सतह पर न आए। सूचना पर निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन में शव के गले पर कसाव के निशान मिले। सोशल मीडिया के जरिए शव की पहचान हो सकी। मृतक मोहनलालगंज का निवासी था और दो दिन से लापता था, लेकिन गुमशुदगी दर्ज नहीं कराई गई थी। एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार सुबह ग्रामीण बांक नाले के पास से गुजर रहे थे तभी नाले में युवक का शव दिखाई दिया। ग्रामीणों ने तत्काल डायल-112 पर सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस व ग्रामीणों की भीड़ वहां जमा हो गई। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शव के साथ दो भारी बोरियां बंधी थीं। बोरियां खुलवाने पर उनमें गिट्टी और मौरंग भरी मिली। पुलिस ने पहचान कराने की कोशिश की, लेकिन तत्काल सफलता नहीं मिली। ग्रामीणों ने बताया कि युवक के गले पर कसाव का निशान था, जिससे आशंका है कि उसकी गला कसकर हत्या की गई और बाद में शव छिपाने के लिए बोरियों में बांधकर नाले में फेंक दिया गया।

परिजन ने किसी पर नहीं लगाया आरोप

- शिनाख्त के बाद निगोहां पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया। परिजनों से बात करने पर उन्होंने किसी पर भी आरोप नहीं लगाया। पुलिस रंजिश, लेनदेन और आशनाई समेत सभी संभावित पहलुओं पर जांच कर रही है। घटनास्थल और राधाकृष्ण खेड़ा के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

फोटो देख भाइयों ने की पहचान

- बांक नाले में शव मिलने की फोटो और सूचना थोड़े ही समय में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मोहनलालगंज के राधाकृष्ण खेड़ा निवासी प्रेम और बेचा ने मोबाइल पर फोटो देखकर शव की पहचान अपने भाई अमित के रूप में की। दोनों ने बताया कि अमित शनिवार से लापता था और वे उसकी तलाश कर रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार अमित नशे का आदी था और अक्सर नशे की हालत में घर से निकल जाता था, लेकिन फिर लौट आता था।

चक पृथ्वीपुर गांव में पांच खंभों के तार चोरी 25 घरों की बिजली गुल

अमृत विचार, लखनऊ: राजधानी के इटौंजा चक पृथ्वीपुर गांव में सोमवार देर शाम चोरों ने बिजली विभाग की लापरवाही का फायदा उठाते हुए पांच बिजली खंभों के तार काटकर चोरी कर लिए। इसके चलते लगभग 25 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार, चोर बिंद्रा के नलकूप से लेकर कुलदीप के खेत तक लगे पांच खंभों के तार काटकर ले गए। इस चोरी से घरेलू बिजली के साथ-साथ दो निजी नलकूपों की विद्युत आपूर्ति भी बंद हो गई, जिससे सिंचाई प्रभावित हुई और खेतों में फसलों पर संकट मंडराया। इलाके में यह पहली घटना नहीं है। छह माह पहले चांदपुर खानीपुर ग्राम पंचायत में भी तार चोरी हुई थी, जिनमें से पांच खंभों की नई वायरिंग अब तक नहीं हुई।

ग्रामीणों ने इस घटना की शिकायत इटौंजा पावर हाउस में दर्ज कराई थी, लेकिन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। लगातार हो रही चोरी और लापरवाही से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

थर्माकोल कटर से की थी हत्या, जेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

पुलिस की गिरफ्त में हत्यारोपी। अमृत विचार

- मोहनलालगंज के धर्मावतखेड़ा इलाके में घर में घुसकर छात्रा की कर दी थी हत्या

अमृत विचार: मोहनलालगंज के धर्मावतखेड़ा इलाके में रविवार सुबह शादी के लिए मना करने पर प्रेमिका प्रियांशी रावत (19) की हत्या उसके प्रेमी ने कर दी थी। वारदात को अंजाम देने के लिए थर्माकोल कटर का प्रयोग किया था। पुलिस आरोपी आलोक रावत को देर शाम को पकड़ लिया था। देर रात तक पूछताछ की। उसके निशानदेही पर थर्माकोल कटर और बुलेट बरामद किया। सोमवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया।

मोहनलालगंज के धर्मावतखेड़ा इलाके में पूनम रावत दो बेटियों प्रियांशी रावत और महक के साथ रहती थीं। वह पीजीआई इलाके में संविदा पर काम करती हैं। रविवार सुबह 9 बजे रोज की तरह वह पीजीआई काम पर निकल गईं थीं। घर पर प्रियांशी और महक ही मौजूद थे। घर का मेनगेट खुला हुआ था। इसी बीच प्रियांशी का प्रेमी आलोक रावत मौका देख कर घर में दाखिल हो गया था। पहली मंजिल पर मौजूद प्रियांशी से उसका झगड़ा होने लगा था। आरोपी आलोक शादी करने से मना करने की बात से नाराज था। साथ ही आरोपी को यह भी लगता था कि प्रियांशी किसी अन्य युवकों से चैटिंग करती है। इस लिए उसे छोड़ रही है। आरोपी ने थर्माकोल कटर से प्रियांशी का गला रेत दिया था। उसे जीने से धक्का देकर गिरा दिया। कुछ ही देर में प्रियांशी की मौत हो गई थी। कुछ दूरी पर खड़ी बुलेट पर बैठ कर फरार हो गया था। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज डीके सिंह के मुताबिक रविवार रात को ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार को आरोपी को जेल भेज दिया। धर्मावतखेड़ा में प्रियांशी की हत्या के बाद सोमवार को घर पर वहां सन्नाटा पसरा हुआ था। उधर देर शाम को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन को सुपुर्द कर दिया। परिजन गांव लेकर गये। जहां देर रात को अंतिम संस्कार किया गया।

25 किसानों को 2.48 करोड़ रुपये ऋण स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

मलिहाबाद में पद्मश्री हाजी कलीम उल्ला खान (मैंगो मैन) को सम्मानित करते बैंक अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बैंक ऑफ बड़ौदा की तरफ से सोमवार को ''आत्मनिर्भरता की ओर'' थीम के तहत मलिहाबाद में ''बड़ौदा किसान पखवाड़ा'' में 25 किसानों को 2.48 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया। साथ ही पद्मश्री हाजी कलीम उल्ला खान (मैंगो मैन) को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

8वें संस्करण की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक शैलेंद्र सिंह, लखनऊ अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख शैलेंद्र कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम में 700 से अधिक किसानों ने सहभागिता की। मौके पर 25 किसानों को 2.48 करोड़ का कृषि ऋण स्वीकृत करके पत्र दिए गए। इसके अलावा 53 करोड़ रुपये वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बैंक की तरफ से विभिन्न स्टॉल लगाए गए। प्रदर्शनी के माध्यम से किसानों को खेती में हाईटेक कृषि उपकरण, एसएचजी फूड स्टॉल, नवीनतम वैज्ञानिक उपकरण व ड्रोन प्रदर्शित करके जानकारी दी। इसके अलावा डिजिटल बड़ौदा किसान क्रेडिट कार्ड और डिजिटल गोल्ड लोन समेत अन्य बैंकिंग योजनाओं की जानकारी दी।

एयरफोर्स के रिटायर्ड अधिकारी समेत दो घरों में लाखों की चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डॉग स्क्वॉड व फॉरेंसिक टीम की मदद से पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार: मोहनलालगंज स्थित डीएलएफ गार्डेन सिटी कॉलोनी में चोरों ने एयरफोर्स के रिटायर्ड अधिकारी समेत दो घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। दोनों घर बंद थे क्योंकि गृहस्वामी अपने पैतृक घर गए हुए थे। कॉलोनी के सचिव ने सूचना मिलने पर पुलिस और पीड़ितों को मामले की जानकारी दी।

मूल रूप से जहानाबाद, बिहार निवासी एयरफोर्स के रिटायर्ड अधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा निजी काम से 18 नवंबर को बिहार गए थे। सोमवार सुबह सचिव अशोक त्रिपाठी ने उनके घर का ताला टूटा पाया और सूचना दी। पुलिस ने डॉग स्क्वॉड और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल की जांच की।

इसी कॉलोनी में अवधेश यादव के घर से भी चोरों ने अलमारी तोड़कर नकदी और कीमती सामान चोरी कर लिया। चोरी के समय वह सोनभद्र गए हुए थे। इंस्पेक्टर डीके सिंह ने बताया कि दोनों घरों के मालिकों से मोबाइल पर संपर्क किया गया, उन्होंने लौटने के बाद तहरीर देने का आश्वासन दिया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

कॉलोनी निवासियों का कहना है कि यह नौवीं चोरी की घटना है। पहले भी पुलिस कमिश्नर से सुरक्षा बढ़ाने की गुहार लगाई गई थी। एसीपी ने बैठक कर सुरक्षा का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

बेटे को स्कूल छोड़ने जा रहे पिता पर जानलेवा हमला

संवाददाता, पीजीआई

हमले में घायल बृजेश रावत

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के सरथुआ गांव के बाहर सोमवार सुबह बेटे को स्कूल छोड़ने जा रहे युवक की बाइक में कार सवार ने टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपी ने अपने रिश्तेदारों को बुलाकर युवक और उसके भाई को पीटकर लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराकर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सरथुआ निवासी उमेश कुमार सुबह करीब 8:30 बजे 5 वर्षीय बेटे तेजस को मोटरसाइकिल से स्कूल छोड़ने जा रहे थे। स्कूल के पास पहुंचकर जैसे ही उन्होंने बेटे को उतारना चाहा, तभी गांव का ही निकेश कुमार कार लेकर पहुंचा और बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र बाल-बाल बच गए। उमेश के विरोध पर निकेश ने फोन कर गांव से अपने कई रिश्तेदारों को बुला लिया। कुछ ही देर में पहुंचे दबंगों ने उमेश को सड़क पर घेरकर पीटना शुरू कर दिया।

शोर सुनकर उमेश का भाई बृजेश रावत मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी। दोनों भाइयों को लहूलुहान कर हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र सिंह ने बताया कि घायल उमेश की पत्नी प्रीति की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

निजीकरण का विरोध करने वाले अभियंताओं का हो रहा उत्पीड़न

अमृत विचार , लखनऊ : बीते कुछ समय से अभियंताओं पर हो रही प्रशासनिक कार्रवाइयों को बिजली कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण के विरोध का उत्पीड़न करार दिया है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि अभियंता शांतिपूर्ण तरीके से निजीकरण के खिलाफ विरोध दर्ज करा रहे हैं, लेकिन कॉरपोरेशन प्रबंधन उनके खिलाफ कड़े कदम उठा रहा है। दुबे ने कहा कि प्रबंधन की इन कार्रवाइयों के चलते ऊर्जा निगमों में कार्यस्थल का माहौल प्रभावित हुआ है। कई अभियंताओं पर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है। संघर्ष समिति ने यह भी बताया कि कार्यालय समय के बाद वीडियो कॉन्फ्रेंस में हिस्सा न लेने को आधार बनाकर 87 अभियंताओं का प्रमोशन रोक दिया गया है। इसे पूरी तरह अनुचित और उत्पीड़नात्मक कार्रवाई करार दिया गया है।

मवेशी को बचाने में पलटी कार दो बैंक अधिकारी घायल

संवाददाता, काकोरी

हादसे में क्षतिग्रस्त कार

- निजी अस्पताल में भर्ती, हालत खतरे से बाहर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के मोहान रोड स्थित मदारपुर पेट्रोल पंप के पास सोमवार सुबह बेकाबू कार मवेशी को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में काकोरी स्थित बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक व अकाउंटेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर घायलों के परिजन को सूचना दे दी है।

अलीगंज निवासी मनोज वर्मा काकोरी स्थित बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक हैं। सोमवार सुबह वे अपने अकाउंटेंट उपेंद्र सिंह के साथ निजी क्रेटा कार से सोमवार सुबह किसी काम से उन्नाव के मोहन स्थित बैंक शाखा जा रहे थे। जैसे ही वे काकोरी थाना क्षेत्र के मोहान रोड स्थित मदारपुर पेट्रोल पंप के करीब पहुंचे, तभी अचानक कार के सामने मवेशी आ गया। उसे बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में कार सवार दोनों बैंक अधिकारी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आनन-फानन में दोनों घायलों को उन्नाव स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की जानकारी होने पर बैंक के अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी पहुंच गए हैं। साथ ही पुलिस ने घायलों के परिजन को भी सूचित कर दिया गया है।

सिटी डायरी

कथा सुनाते दिनेशानंद मृदुल।

माता-पिता बच्चों को श्रीराम के आदर्शों से परिचित कराएं

अमृत विचार, मोहनलालगंज : श्रीधाम वृंदावन से आए महराज दिनेशानंद मृदुल जी के प्रवचन में धर्मावत खेड़ा गांव में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चौथे दिवस पर भक्तिमय माहौल रहा। महराज श्री ने कहा कि अधर्म और अत्याचार बढ़ने पर भगवान विष्णु अनेक अवतारों में धर्म की पुनर्स्थापना करते हैं। उन्होंने श्रीराम के बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए माता-पिता से कहा कि बच्चों को संस्कार दें और श्रीराम के आदर्शों—सेवा, आज्ञापालन, संयम, सम्मान, सरलता, क्षमा और विनम्रता—से परिचित कराएं। कथा में श्रीकृष्ण के प्राकट्य का भी वर्णन हुआ, जो हमें आसक्ति, वासना, लोभ और मोह त्यागने की शिक्षा देता है। कथा का समापन भजन-कीर्तन, आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

डॉ. सिद्धार्थ पटेल को सम्मानित करते उप मुख्यमंत्री।

आइकॉन ऑफ हेल्थ के सम्मान से नवाजे गए डॉ. सिद्धार्थ पटेल

अमृत विचार, मोहनलालगंज : स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. सिद्धार्थ पटेल को द टाइम्स ऑफ इंडिया ने "आइकॉन ऑफ हेल्थ 2025" सम्मान से नवाजा। यह सम्मान एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. पटेल को मरीजों की सेवा और चिकित्सा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए यह मान्यता दी गई। कार्यक्रम में कई चिकित्सा विशेषज्ञ, सामाजिक प्रतिनिधि और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोग मौजूद रहे। पुरस्कार मिलने के बाद डॉ. पटेल मोहनलालगंज स्थित सिग्मा हॉस्पिटल पहुंचे, जहां कर्मचारियों और इलाके के लोगों ने उन्हें बधाई दी।

शिलान्यास करते पार्षद व अन्य।

नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर द्वितीय वार्ड की रुस्तम विहार कॉलोनी में सोमवार को 360 मीटर लंबी और 20 फीट चौड़ी इंटरलॉकिंग सड़क व नाली के नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट ने किया। पूजा पाठ और नारियल फोड़कर शुभारंभ के बाद पार्षद प्रतिनिधि संतोष कुमार त्रिपाठी ने बताया कि 20–25 वर्षों से जलभराव और कच्चे रास्ते की वजह से कॉलोनीवासियों को आवागमन में कठिनाई होती थी। इस अवसर पर जयराम यादव, द्वारिका प्रसाद विश्वकर्मा, फूलचंद गौतम, अनिल पत्रकार, नागेंद्र यादव, पंकज यादव, कालीचरण, दिलशाद और अन्य उपस्थित थे।

बीएलओ के परिवार से मिले कांग्रेस प्रतिनिधि

अमृत विचार, मलिहाबाद : सरांवा गांव निवासी बीएलओ विजय कुमार वर्मा की ब्रेन हैमरेज से मौत के बाद यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय सोमवार को परिवार से मिलने मलिहाबाद पहुंचे। उन्होंने पत्नी संगीता रावत और बेटे हर्षित वर्मा को ढाँढस बंधाया और सरकार से एक करोड़ रुपये आर्थिक सहायता व हर्षित को सरकारी नौकरी देने की मांग की। परिवार ने बताया कि इलाज में लाखों रुपये खर्च हुए, बावजूद विजय की मौत हो गई।

सरांवा गांव निवासी बीएलओ विजय कुमार वर्मा के परिजनों के साथ कांग्रेसी नेता।

इंदिरानगर डी-ब्लॉक की घटना | आग से इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य गृहस्थी जली

मकान के भूतल में बने कमरे में लगी आग, दो घंटे में पाया काबू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

आग बुझाता दमकलकर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार : इंदिरानगर डी-ब्लॉक में सोमवार दोपहर एक मकान के भूतल में बने कमरे में आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पाते ही इंदिरानगर फायर स्टेशन की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से इलेक्ट्रॉनिक सामान समेत अन्य गृहस्थी जलकर खाक हो गई। शुरुआती जांच में सामने आया कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी।

डी-ब्लॉक निवासी शकुंतला शर्मा के घर में सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे भूतल के कमरे में अचानक आग भड़क उठी। लपटें और धुआं बढ़ते देख वह चीखते हुए परिवार संग बाहर निकल आईं। उनकी आवाज सुनकर पड़ोसी तुरंत मदद को पहुंचे। पड़ोसियों ने पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बेकाबू होती देख दमकल को सूचना दी गई।

जानकारी मिलते ही इंदिरानगर एफएसओ के.के. सिंह दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने हौज पाइप बिछाकर फायर फाइटिंग शुरू की। कमरे में तेज धुआं होने के कारण कर्मियों ने बीए सेट पहनकर अंदर प्रवेश किया। आग की तपिश से खिड़कियों के शीशे चिटक गए। करीब दो घंटे बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग की चपेट में कमरे में रखे कपड़े, बेड, फर्नीचर, एसी, फ्रिज, टीवी, आलमारी, कूलर, रजाई, गद्दा और अन्य सामान जल गया।

अलविदा वीरू...

जन्म: 8 दिसबंर 1935 ■ निधन: 24 नवंबर 2025

तोड़ेंगे दम मगर, तेरा साथ न छोड़ेंगे...

विशेष डेस्क

अमृत विचार। मुंबई के फिल्म स्टूडियो की चमकती रोशनियों ने कई चेहरों को स्टारडम दिया, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जो सिर्फ सितारा नहीं बने, बल्कि कई पीढ़ियों के दिलो-दिमाग में गहरे उतर गए। धर्मेंद्र एक ऐसे ही अलेबेले अभिनेता थे। ही-मैन के नाम से मशहूर बॉलीवुड के इस सुपर स्टार की मुस्कान में अगर गांव की मिट्टी की महक थी, तो चाल में पंजाब के किसी फौजी जैसी चौकसी और आंखों में एक ऐसा अपनापन कि दर्शक उनके किरदार में खुद को परदे पर खोजने लगते थे। संवाद अदायगी का उनका अपना अंदाज, अभिनय में सादगी के साथ मर्दानगी की मिसाल ने लोगों को धर्मेंद्र का दीवाना बना दिया था।

बॉलीवुड के बीते छह दशक से ज्यादा के सफर में पांच दशक तक 300 से ज्यादा फिल्मों वाले शानदार करियर की बदौलत किसी बादशाह की तरह लोगों के दिलों पर राज करने वाले दिलदार स्वभाव और बेजोड़ शख्सियत वाले धर्मेंद्र ने अभी 8 नवंबर को ही अपना 89वां जन्मदिन मनाया था। इसके दो दिन बाद ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन फिल्म शोले में बसंती के लिए पानी की टंकी पर चढ़कर जान देने की जानदार एक्टिंग करने वाले धर्मेंद्र जिस तरह फिल्म में मरना कैसिंल करके टंकी से नीचे उतर आए थे, उसी तरह मौत को मात देकर घर आ गए थे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, जिसने हिंदी सिनेमा के इस लेजेंड को 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कहने के लिए मजबूर कर दिया।

मनोज कुमार न रोकते तो पंजाबी जट्ट धर्मेंद्र नहीं बन पाते

धर्मेंद्र के फिल्मी हीरो बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। बात साल 1960 की है। पंजाब के एक छोटे से गांव का एक सीधा-सादा लड़का स्क्रीन पर दिलीप कुमार को देखकर हीरो बनने का सपना पाल बैठा था। लेकिन एक स्कूल मास्टर के बेटे के लिए ये सपना पूरा करना आसान नहीं था, यह जानते हुए भी इस पंजाबी जट्ट ने अटैची उठाई और पहुंच गया मायानगरी मुंबई। यह वह दौर था जब फिल्म इंडस्ट्री में "हीरो" की परिभाषा सिर्फ खूबसूरत चेहरे और नपे-तुले एक्शन तक सीमित थी। लेकिन धर्मेंद्र ने जल्दी ही इसे बदल दिया। उन्होंने हीरो को इंसान बनाया, और इंसान को हीरो की ऊंचाई दी। लेकिन इससे पहले उन्हें मुंबई में खासा संघर्ष करना पड़ा। उस समय फिल्म स्टूडियो के बाहर काम मिलने के इंतजार में लाइन लगानी पड़ती थी। कई बार सड़क पर सोने की नौबत आ जाती थी। ऐसे में थक-हारकर धर्मेंद्र ने एक दिन ट्रेन पकड़कर वापस पंजाब जाने का फैसला ले लिया। लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। पंजाब से ही अभिनेता बनने आए मनोज कुमार से मुलाकात हो गई। उन्होंने वापस जाने से रोक लिया और हौसला बढ़ाया तो धर्मेंद्र ने कुछ दिन और रुकने का फैसला किया। इसके बाद निर्देशक बिमल रॉय ने सबसे पहले धर्मेंद्र को स्पॉट किया। फिर तो एक दिन जिस अभिनेता देव आनंद को धर्मेंद्र पर्दे पर देखते थे, उन्होंने उन्हें अपने मेकअप रूम में बुलाया और आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया।

- **बिमल रॉय की बंदिनी से मिला ऐसा ब्रेक फिर रुका नहीं सफर** अर्जुन हिंगोरानी ने अपनी फिल्म 'दिल भी तेरा, हम भी तेरे' से धर्मेंद्र को ब्रेक दिया। लेकिन उनकी यह पहली फिल्म बस आई-गई जैसी हो गई। हालांकि उनकी दूसरी फिल्म 'शोला और शबनम' कामयाबी की कहानी लेकर आई। इसके बाद उनकी कुछ और फिल्में भी चलीं, लेकिन बड़ा कमाल हुआ उन्हीं बिमल रॉय की फिल्म से, जिन्होंने धर्मेंद्र को अपनी अभिनेता प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में स्पॉट किया था। अपने जमाने के आइकॉनिक फिल्ममेकर बिमल ने धर्मेंद्र को 'बंदिनी' (1963) में कास्ट किया। अशोक कुमार और नूतन के लीड वाली इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला और लोगों ने धर्मेंद्र के काम को भी जमकर सराहा।
- **आई मिलन की बेला, हकीकत, काजल फूल और पत्थर से दिलों में बनाई जगह:** 'आई मिलन की बेला' (1964) के लिए धर्मेंद्र को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला। उसी साल आई देश की चीन के साथ युद्ध पर बनी पहली फिल्म 'हकीकत' से बड़ी पहचान मिली। 1965 में मल्टीस्टारर 'काजल' हिट होने का धर्मेंद्र को बड़ा फायदा मिला। 'फूल और पत्थर' (1966) में उन्हें लीड रोल मिला और फिल्म खूब चली। इसी साल उनकी 'देवर', 'ममता', 'आए दिन बहार के' और 'अनुपमा' भी बाक्स आफिस पर हिट साबित हुईं। 70 का दशक शुरू होने तक धर्मेंद्र स्टार बन चुके थे। अब जैसे सुपरस्टारडम उनका इंतजार कर रहा था।
- **और 70 तथा 80 के दशक ने बना दिया सुपरस्टार:** 70-80 के दशक में धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार थे। इस दौर में उन्होंने कई हिट और यादगार फिल्में दीं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'शोले', 'धरमवीर', 'यादों की बारात', 'लोफर', जुगनू, 'यादों की बारात' और 'प्रतिज्ञा' आदि। इस समय वह इंडस्ट्री के सबसे रोमांटिक और एक्शन हीरो में से एक थे और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी थीं। इस दौर में हर निर्देशक और अभिनेत्री उनके साथ काम करना चाहती थीं।

कुछ यादगार फिल्में

- फूल और पत्थर (1966): जिसने उन्हें स्टार बना दिया
- सत्यकाम (1969) को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में गिना जाता है
- शोले (1975): भारतीय सिनेमा का यादगार स्तंभ
- चुपके-चुपके (1975): हिंदी कॉमेडी का स्वर्ण अध्याय
- धर्मवीर, काला सोना, सीता और गीता, यकीन, रजिया सुल्तान

1987 में सात हिट फिल्में

- साल 1987 धर्मेंद्र के लिए सबसे लकी साबित हुआ। इस साल उनकी सात फिल्में हिट हुईं। इसके चलते धर्मेंद्र डायरेक्टर्स के फेवरेट बन गए थे। 1987 में हिट हुई इन 7 फिल्मों ने धर्मेंद्र को एक नई पहचान दी थी। ये 7 फिल्में थीं, 'इंसानियत के दुश्मन', 'हुकूमत', 'लोहा', 'आग ही आग', 'मर्द की जुबान', 'वतन के रखवाले' और 'दादागिरी', इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी।

भाजपा से खुद और पुत्र सांसद रहे, हेमा मालिनी तीसरी बार चुनी गईं

- हेमा मालिनी ने 2004 में भाजपा की सदस्यता ली तो कुछ दिनों बाद धर्मेंद्र भी भाजपा में आ गए। पार्टी ने उन्हें बीकानेर से टिकट दिया। धर्मेंद्र ने 15वीं लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। संसद में वो दिखते कम थे, इस बात की आलोचना हुई। आखिरकार, 2009 में उन्होंने पॉलिटिक्स छोड़ दी। बाद में धर्मेंद्र ने कहा कि उन्हें पॉलिटिक्स की ए-बी-सी-डी भी नहीं आती है। राजनीति की भाषा, उसके तौर-तरीके और उसके लोग उन्हें रास नहीं आए। उन्हें 2012 में भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनके पुत्र सनी देओल भी सांसद रह चुके हैं, उन्होंने 2019 से 2024 तक भाजपा सदस्य के रूप में पंजाब के गुरदासपुर का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि धर्मेंद्र की पत्नी उत्तरप्रदेश के मथुरा से भाजपा सासंद के रूप में तीसरी बार पिछले साल चुनी गई थीं।

"शोले" का वीरू जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है

- धर्मेंद्र ने परदे पर सिर्फ किरदार नहीं निभाए, उन्होंने भारतीय दर्शक के दिल के भीतर अपना घर बनाया। उनकी फिल्मों में मजबूती है, पर उनकी आंखों में नरमी। उनके संवाद दमदार हैं, पर व्यवहार में, यही कारण है कि धर्मेंद्र सिर्फ हिंदी सिनेमा के अभिनेता नहीं, एक ऐसा युग हैं, जिसे कोई बदल नहीं सकता। "अनुपमा" में उनकी संवेदनशीलता, "सत्यकाम" में नैतिकता की आग, "चुपके-चुपके" में मासूम कॉमेडी और "शोले" का वीरू—जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है, भला कौन भूल सकता है। हेमा मालिनी के साथ तो उनकी केमिस्ट्री इतनी स्वाभाविक थी कि परदे पर आते ही जैसे कहानी खुद-ब-खुद खिल उठती थी।

प्रकाश कौर से हुई थी पहली शादी, जिनसे दो बेटे और दो बेटियां

- धर्मेंद्र की पहली शादी 1954 में 19 साल की उम्र में प्रकाश कौर से हुई थी। इस शादी से उनके दो बेटे हुए, सनी देओल और बॉबी देओल। इनके साथ ही दो बेटियां विजेता और अजिता भी हैं। अभिनेता अभय देओल उनके भतीजे हैं। 1880 में धर्मेंद्र ने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां ईशा देओल और आहाना देओल हैं।

धरम पाजी के साथ एक युग का अंत

- धर्मेंद्र की फिल्मों को देखकर हमने सीखा कि हीरो होना सिर्फ लड़ने की कला नहीं, बल्कि इंसान की अच्छाई की जीत है। धर्मेंद्र वह सितारा हैं जिनकी चमक सिर्फ परदे तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की यादों, कहानियों और मोहब्बतों में रच-बस चुकी है। इसलिए धर्मेंद्र जैसे सितारे कभी खत्म नहीं होते, वे हर पीढ़ी के दिलों में दोबारा जन्म लेते हैं।

पूर्वांचल

न्यूज ब्रीफ

संतकबीरनगर में रूट डायवर्जन लागू

संतकबीरनगर, अमृत विचार : अयोध्या में रामजन्म भूमि पर 25 नवंबर को प्रस्तावित ध्वाजारोहण समारोह में पीएम मोदी के आगमन को देखते हुए गोरखपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार की आधी रात से रूट डायवर्जन लागू कर दिया गया। डायवर्जन के तहत बड़े वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से गंतव्य तक भेजा जा रहा है। सीओ सदर अजय सिंह, सीओ अमित कुमार और टीएसआई परमहंस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया। एएसपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि रविवार रात 11 बजे से जिले की सीमा में दुर्गा मंदिर मगहर, मेंहदावल बाईपास, डीघा बाईपास, भुवरिया-पायलपार और टेमा रहमत के पास बैरियर लगाकर भारी वाहनों को रोका जा रहा है।

पराली जलाने वालों पर हुई कार्रवाई

कुशीनगर, अमृत विचार : उप कृषि निदेशक ने बताया कि पराली जलाने की घटनाओं में निरंतर वृद्धि को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कौर कदम उठते हुए किसानों पर जुर्माना अधिरोपित करने की यही कार्यवाही की है। जनपद में अब तक परली जलने की 92 घटनाएं रिपोर्ट में आई है जिस पर गंभीर होकर हाटा तहसील द्वारा 7 किसानों पर 17500 .00 नियमानुसार जुर्माना अधिरोपित करने के कार्यवाही की गई है। डीएम ने अधिकारियों को पराली जलाने की घटना के संबंध में कार्यवाही करने में शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

इंडो-नेपाल बॉर्डर पर हुई सघन चेकिंग

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन में रविवार को ऑपरेशन कवच के तहत थाना शोहरतगढ़ पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम द्वारा भारत-नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय खुनुवां बॉर्डर पर तस्करी की रोकथाम, संदिग्ध व्यक्ति/वस्तु की चेकिंग की गयी।

भाजपा ने दिया विकास का मॉडल: ब्रजेश

संवाददाता संतकबीरनगर

अमृत विचार: सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर खलीलाबाद के जूनियर हाईस्कूल में आयोजित एकता यात्रा जनसभा में शामिल होने पहुंचे प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में गुंडाराज और माफियाराज पनपा। जबकि भाजपा ने विकास का मॉडल दिखाया है।

डिप्टी सीएम ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए कोर्ट में हलफनामा देकर भगवान राम के अस्तित्व को नकारने का पाप किया। आरोप लगाया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान सपा सरकार ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाईं। जबकि भाजपा के सत्ता में आने के बाद ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना साकार हुआ । सपा पर हमला बोलते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में गुंडाराज और माफियाराज पनपा। पाठक ने कहा कि भाजपा की सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट चलाया जाता है, जबकि सपा के शासन में वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया स्कीम चलती थी। सपा सरकार में समाजवाद का नारा है खाली प्लाट हमारा है जैसी मानसिकता हावी थी। डिप्टी सीएम ने पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा अनुच्छेद 370 हटाने, गरीबों की समस्याएं सुनने और जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से लागू करने की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री संजय राय, प्रदेश मंत्री व एमएलसी सुभाष यदुवंश, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी संतोष सिंह, जिलाध्यक्ष नीतू सिंह, भाजपा नेता उदय राज तिवारी, धनघटा विधायक गणेश चौहान, पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल, जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम, डॉ. सत्यपाल पाल, सेतबान राय, हैप्पी राय, कुलदीप मणि मिश्र, बनर्जी लाल अग्रहरि आदि मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का स्वागत करते सदर विधायक अंकुर राज तिवारी व अन्य। अमृत विचार

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की गयी जान

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र ढेबरुआ के ग्राम पंचायत दुधवनिया बुजुर्ग और सेवरा गांव के बीच एनएच-730 पर दो बाइक आमने-सामने से टकरा गई। हादसे में दुधवनिया बुजुर्ग निवासी इश्तियाक पुत्र फसीउद्दीन की मौत हो गई है। दुर्घटना में धीरज यादव, राहुल यादव और अमन निवासी महादेव थाना इटवा घायल हो गये। इश्तियाक बढ़नी से बाइक लेकर घर लौट रहे थे। राहगीरों ने घायलों को बढ़नी पीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टर ने इश्तियाक को मृत घोषित कर दिया। दूसरे बाइक पर सवार इटवा थाना क्षेत्र के महादेव निवासी धीरज यादव, राहुल यादव की गंभीर हालत देख मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इनके साथ पीछे बैठे तीसरे युवक अमन को हल्की चोट आई। प्रभारी अमित चौधरी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में जुटे बीएलओ। अमृत विचार

एसआईआर कार्य में जुटे बीएलओ

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार : नगर पंचायत बढ़नी में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के लिए बीएलओ सहित चेयरमैन सुनील अग्रहरि पूरी तरह सक्रिय हो गये हैं। सोमवार को नगर पंचायत बढ़नी के सभी बीएलओ सहित चेयरमैन सुनील अग्रहरि व ईओ अजय कुमार ने चट्टी बाजार मोहल्ला सहित तिरंगा तिराहा पचपेड़वा रोड बढ़नी के समीप अपने कार्यालय पर पहुंचकर मोर्चा संभालते हुए लोगों के गणना प्रपत्र की जांच करते हुए गणना प्रपत्र भरने में बीएलओ का सहयोग किया। सुपरवाइजर लेखपाल अनिरुद्ध चौधरी ने बूथ पर बीएलओ से अभियान की प्रगति रिपोर्ट ली। चेयरमैन सुनील अग्रहरि ने नगर पंचायत के बूथों पर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से एसआईआर कार्य को संपादित करने के लिए लोगों को जागरूक करते हुए बीएलओ का सहयोग करने को कहा। बीएलओ शकुंतला देवी, किरन अग्रवाल व काजी मोहम्मद शाहिद ने बताया कि विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान चार दिसंबर तक चलेगा। गणना प्रपत्र घर-घर जाकर वितरण किये गए हैं। बूथ का निरीक्षण करने आये सुपरवाइजर अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि मतदाता सूची पूरी तरह त्रुटि रहित बने।

कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य। अमृत विचार

डिप्टी सीएम ने की विकास कार्यों की समीक्षा

कुशीनगर, अमृत विचार : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को कुशीनगर अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर साढे ग्यारह बजे प्लेन से उतरे। यहां प्रशासन व पार्टी नेताओं ने स्वागत की औपचारिकता को पूरा किया। इसके बाद डिप्टी सीएम सड़क मार्ग से होते हुए कुशीनगर स्थित बौद्ध मठ पहुंचे और तथागत बुद्ध का दर्शन कर कर पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात सड़क मार्ग से होते हुए रवीन्द्रनगर स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे जहां कोर कमेटी, पार्टी पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करने के पश्चात निर्माणाधीन कारागार का निरीक्षण किया। इसके बाद जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा करते पार्टी कार्यकर्ताओं की बातों को गंभीरता से लेने के लिए अधिकारियों को निर्देशित की।

विकास कार्यों में धन के दुरुपयोग का लगाया आरोप

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार: अधिकार सेना ने सिद्धार्थनगर के विकासखंड खेसरहा के ग्राम पंचायत फरीदाबाद में लगातार हो रहे विकास कार्यों में भ्रष्टाचार का मामला प्रकाश में आया हैं। बता दें कि ग्राम पंचायत फरीदाबाद के पंचायत भवन में मानक के अनुसार व्यवस्था नहीं है जिसकी शिकायत आजाद अधिकार सेना के जिलाध्यक्ष उपेन्द्र चतुर्वेदी ने की है। इंटरलॉकिंग अभी से नीचे की तरफ बैठना शुरू हो गया है। ग्राम पंचायत में पशु शेड लाभार्थी के लिए बनवाया जा रहा है वह भी नियमानुसार नहीं है। संपूर्ण समाधान दिवस में भी शिकायत की गयी। चेताया कि अब आजाद अधिकार सेना जिला मुख्यालय पर 27 को प्रदर्शन करेगा।

टीईटी की अनिवार्यता के विरोध में अध्यापकों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता सिद्धार्थनगर

अमृत विचार: शिक्षा अधिकार अधिनियम लागू होने की तिथि से पूर्व के सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता से छूट दिये जाने की मांग को लेकर सोमवार को देश भर के 22 राज्यों के करीब एक लाख से अधिक शिक्षकों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया।

28 शिक्षक संगठनों के द्वारा संयुक्त रूप से गठित अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले शिक्षकों ने सरकार को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि संसद के शीतकालीन सत्र में सेवारत शिक्षकों को टीईटी से मुक्त किये जाने सम्बन्धी संशोधित अध्यादेश पारित नहीं किया जाता तो देश भर के लाखों अध्यापक संसद का घेराव करेंगे। आरटीई लागू होने से पूर्व के नियुक्त अध्यापकों को टीईटी से छूट दिये जाने का अध्यादेश पारित किया जाये। धरना-प्रदर्शन में अखिल भारतीय शिक्षक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक बासवराज गुरिकर, सह संयोजक एवं यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर, प्रदेश संगठन मंत्री यादवेन्द्र शर्मा ने सम्बोधित किया। सभी लोगों ने एक सुर में कहा कि ये किसी भी कीमत पर ठीक नहीं हो रहा है।

वहीं यूटा के जिलाध्यक्ष अभय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी, जनपदीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेन्द्र कुमार पाण्डेय, यूटा ब्लॉक अध्यक्ष खुनियांव कुलदीप भार्गव, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद पाण्डेय, नेबूलाल, संयुक्त मंत्री दीप नारायण सहित सैंकड़ो की संख्या में पहुंचे शिक्षकों ने प्रभावी प्रतिभागिता की कर शिक्षकों की आवाज बुलंद की।

हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार: बखिरा क्षेत्र के भैसमथान-पिपरहना मार्ग पर रविवार को सड़क हादसे में घायल हुई महिला ने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। खलीलाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में हुई मौत की सूचना मिलते ही परिजन शव लेकर घर पहुंचे, जहां कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कुसुरू कला गांव निवासी 52 वर्षीय रुक्मिणी पत्नी स्वर्गीय सुरेश रविवार दोपहर भैसमथान गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने पैदल जा रही थीं। रास्ते में पिपरहना के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रुक्मिणी गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। पीड़ित भसुर राधेश्याम कन्नौजिया ने बताया कि परिवारजन रुक्मिणी को मेडिकल कॉलेज ले जाने के बजाय खलीलाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान सोमवार को उनकी मौत हो गई।

बर्फ ने की चित्रकारी

अनंतनाग : जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में सर्दियों की एक सुबह, बर्फ से ढकी पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां।

आईएनएस माहे: नौसेना का नया शिकारी

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका जलावतरण सोमवार को ही किया गया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, इस श्रेणी के आठ जहाज बनाए जा रहे हैं। इसके जलावतरण के मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे, उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की शक्ति बताया है। यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर नष्ट करने, तटीय गश्त करने और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने में सक्षम है। आइए जानते हैं आईएनएस माहे की विशेषताओं, क्षमताओं और निर्माण के बारे में।

उन्नत सोनार और रडार से लैस

आईएनएस माहे को नौसेना का मौन शिकारी कहा जा रहा है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो समुद्री क्षेत्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह युद्धपोत अपनी उन्नत सोनार और रडार प्रणालियों के साथ-साथ अपनी चुपचाप और सटीक मारक क्षमता के कारण एक मौन शिकारी के रूप में कार्य करता है।

78 मीटर लंबा, रफ्तार 25 नाट्स

- आईएनएस माहे एक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो तटीय रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है।
- इसकी लंबाई 78 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है, और यह 1,100 टन विस्थापन वाला है।
- यह युद्धपोत 25 नॉट्स की अधिकतम गति से चल सकता है और इसमें 60 से अधिक कर्मियों को समायोजित करने की क्षमता है।
- आईएनएस माहे में उन्नत सोनार और रडार प्रणाली हैं, जो पनडुब्बियों और अन्य खतरों का पता लगाने में मदद करती हैं।

मुंबई में हुआ जलावतरण

- आईएनएस माहे को 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- इसका जलावतरण मुंबई में किया गया और इसमें भारतीय नौसेना के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।
- आईएनएस माहे का जलावतरण भारत की तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है, यह नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा।

पनडुब्बी मारने में सक्षम

- आईएनएस माहे पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है, जिसमें पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना शामिल है।
- यह युद्धपोत तटीय रक्षा में भी सक्षम है, जिसमें तटीय क्षेत्रों की रक्षा करना और समुद्री खतरों से निपटना शामिल है।
- आईएनएस माहे में उन्नत हथियार प्रणाली है, जिसमें टारपीडो, मिसाइलें और तोपें शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड में निर्माण

- आईएनएस माहे का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- इसके निर्माण में लगभग 5 साल लगे, लागत लगभग 35,000 करोड़ थी।
- यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्लोवेनिया : इच्छामृत्यु को खारिज किया

लुबलियाना। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिमक ने कहा कि करुणा की जीत हुई है।

पोप की अगवा छात्रों को रिहा करने की अपील

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अगवा किए गए 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। इस बीच, पोप ने शेष बच्चों की तत्काल रिहाई की अपील की है। नाइजर राज्य में क्रिश्चन असोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष और स्कूल के संचालक बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार 10 से 18 साल के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। 253 छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो के जेल जाने की खुशी

रियो डी जेनेरियो। रियो डी जेनेरियो की सालाना प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा कि वह जेल में हैं! और बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे।

हावड़ा में कार तालाब में गिरी, 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उलुबेरिया में बहिरा के निकट उस समय हुई जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन तालाब में गिर गया।

कनाडा अपने नागरिकता कानून में करेगा संशोधन, मिली शाही मंजूरी

इस कदम से वहां निवासित भारतीय मूल के परिवारों को लाभ मिलने की संभावना

- नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने की पहल

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों। मामले से परिचित लोगों का कहना है कि इस सीमा के कारण अनेक भारतीय मूल के कनाडाई लोगों के लिए समस्या उत्पन्न हो गई, जिनके बच्चे देश से बाहर पैदा हुए थे। बयान में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

कनाडा में वांछित भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार : टोरंटो पुलिस ने कनाडा की 25 सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। टोरंटो पुलिस के बयान में कहा गया कि निकोलस सिंह (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जो जमानत के उल्लंघन के लिए संपूर्ण कनाडा पर लागू वारंट के तहत वांछित था। इसमें कहा गया कि सिंह को एक आग्नेयास्त्र, एक मैगजीन और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि अधिकारी बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट क्षेत्र में जांच कर रहे थे, तभी उन्होंने सिंह को एक वाहन में देखा। उसे शांतिपूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

अगले साल भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

जोहानिसबर्ग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। इसमें कहा गया कि मोदी और कार्नी ने मंत्रियों और व्यापारी समुदाय सहित नियमित पारस्परिक उच्च-स्तरीय यात्राओं के महत्व पर सहमति व्यक्त की। कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून लागू करने को लेकर वार्ता में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया। वर्ष 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद खराब हो गए थे।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में

- कोर्ट ने टूटे रिश्ते को बलात्कार का रंग देने को बताया चिंतनीय

लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता का रंग दे दिया जाता है।

पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिये गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसने कहा कि मामले में बलात्कार का आरोप पूरी तरह से शिकायतकर्ता के इस दावे पर आधारित है कि व्यक्ति ने शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीठ ने

इराकी सुन्नी पार्टियों ने गठित किया परिषद

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद का गठन किया है। जिसका उद्देश्य सरकार गठन और सुन्नी दलों के अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑपरेशन सिंदूर में श्री कृष्ण के संदेश का किया पालन

चंडीगढ़, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी, आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि

- कुरुक्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ

आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा भारत

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और ऑपरेशन सिंदूर वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है।

चीन ने अरुणाचल की महिला के पासपोर्ट को अवैध बताया

बीजिंग, एजेंसी

- अरुणाचल को चीन का हिस्सा बता एयरपोर्ट पर 18 घंटे रोका

भारत और चीन के रिश्ते को लेकर कई लोग सकारात्मक रूख रखते हैं, लेकिन हकीकत ये है कि चीन अपने मकसद के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत की एक महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे तक इसलिए बिठाकर रखा गया, क्योंकि वो अरुणाचल की रहने वाली थी।

भारतीय महिला ने आरोप लगाया है कि चीनी अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट मानने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसे शंघाई पुडोंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 18 घंटे से ज्यादा समय तक रोके रखा गया। एक्स पर कई पोस्ट में, यूके में रहने वाली भारतीय महिला पेम वांग थोंगडोक ने आरोप लगाया है कि चीनी अधिकारियों ने उनसे कहा कि उसका पासपोर्ट अमान्य है क्योंकि वह अरुणाचल प्रदेश में पैदा हुई थी और अरुणाचल चीन का हिस्सा है। थोंगडोक ने बताया है कि ये घटना 21 नवंबर 2025 की है, जब वो लंदन से जापान जा रही थीं। उन्होंने लिखा, मुझे 21 नवंबर 2025 को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे से ज़्यादा समय तक रोके रखा गया।

ताइवान में सैन्य हस्तक्षेप की बात करके जापान ने सीमा लांघी : चीन

ताइपे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जापान की नए नेता ने ताइवान पर सैन्य हस्तक्षेप संबंधी टिप्पणी करके सीमा लांघ दी है।

चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर वान ने एक पोस्ट कहा कि इस माह की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की यह टिप्पणी 'स्तब्ध' करने वाली है कि ताइवान पर चीन की नौसेना की नाकेबंदी या कोई और कार्रवाई जापान की सैन्य कार्रवाई का आधार बन सकती है। वांग ने कहा कि यह स्तब्ध करने वाली बात है।

पेशावर में आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर, एजेंसी

- जवाबी गोलीबारी में तीन हमलावर भी मारे गए

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि संघीय कांस्टेबुलरी मुख्यालय में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे तीन आत्मघाती हमलावर भी जवाबी गोलीबारी में मारे गए।

सईद ने कहा, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जबकि अन्य दो परिसर में घुस गए। एफसी कर्मियों ने उनका सामना किया और दोनों मौके पर ही मारे गए।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि एफसी मुख्यालय के अंदर दो आत्मघाती विस्फोट हुए, एक मुख्य द्वार पर और दूसरा परिसर में स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड के पास। मुख्य द्वार पर हुए विस्फोट से आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत फैल गई तथा विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 .56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

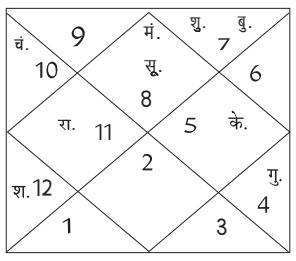

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23 .57 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज आपके काम में काफी स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। निजी संबंधों में रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियां दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्मसंतुष्टि का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको स्थानांतरण के अवसर मिल सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्याओं के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — आज यथार्थवादी बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। इसके कारण आपका मन खराब हो सकता है। आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतरीन लाभ मिलेगा। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर की साज-सजावट में आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

सिंह — आज विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ विमर्श करने से आपकी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक बातों को तूल देने से बचें। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा।।

कन्या — आज आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है। आपके ऊपर अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला — आज किसी से कोई वादा न करें। नई कार्ययोजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जाएगा। आपके सामने करियर के अनेक विकल्प आएंगे।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। आपका आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में सोच-समझकर ही सलाह दें। नई स्किल सीखने में तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मकर — आज आप साहित्य और सिनेमा का आनंद ले सकते हैं। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। काम की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक लोगों को अपनी छवि की चिंता रहेगी। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

मीन — आज कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की संभावना बन रही है। पैतृक व्यवसाय कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी। कानूनी मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। घर की साज-सजावट का काफी ध्यान रखेंगे।

सुडोकू-171

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4			
								8
				9			7	
	4							
				3				
9			1					
						6		
				7				

सुडोकू - 170 का हल

4	5	8	1	6	2	3	9	7
1	2	9	7	3	8	4	5	6
6	7	3	9	4	5	1	2	8
8	1	6	5	7	3	9	4	2
5	9	4	8	2	1	6	7	3
2	3	7	4	9	6	5	8	1
3	4	1	2	5	7	8	6	9
7	8	5	6	1	9	2	3	4
9	6	2	3	8	4	7	1	5

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

जलवायु-केंद्रित कोष ले आएगा एसबीआई वेंचर्स

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) प्रवर्तित वैकल्पिक संपत्ति प्रबंधक एसबीआई वेंचर्स की स्टार्टअप में निवेश को अपने तीसरे जलवायु-केंद्रित कोष के लिए 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। एसबीआई वेंचर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ प्रेम प्रभाकर ने आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स शिखर सम्मेलन' के दूसरे संस्करण में कहा कि इससे हरित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा जो एक नया वित्तीय अवसर है। इसके लिए घरेलू एवं वैश्विक निवेशकों से संपर्क किया जाएगा। हमारा लक्ष्य कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में 2,000 करोड़ रुपये का कोष लाना है। यह कोष प्रारंभिक एवं विकास-चरण वाले जलवायु स्टार्टअप में निवेश करेगा।

पैसालो ने बाजार लेनदेन से बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुले बाजार लेनदेन के जरिये गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के 54 लाख शेयर खरीदे हैं। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार इकाई ने 19 नवंबर को पैसालो के 1.4 लाख शेयर, 18 नवंबर को 8.37 लाख शेयर और 13 नवंबर को 43.94 लाख शेयर खरीदे। इस खरीद के साथ इक्विलिब्रेटेड की कुल शेयरधारिता जुलाई-सितंबर तिमाही के 19.94 से बढ़कर 20.53% हो गई। यह खरीद कंपनी में प्रवर्तक स्वामित्व में वृद्धि की भी पुष्टि करती है। पैसालो के वर्तमान में 1.14 लाख से अधिक शेयरधारक हैं।

रेलवे को नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति करेगा एक्मे

नई दिल्ली। एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने रेलवे (आरईएमसीएल) की24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति को लेकर जारी निविदा में 130 मेगावाट क्षमता के लिए सफल बोली लगायी है। आरईएमसीएल लि. राइट्स लि. और रेल मंत्रालय का संयुक्त उद्यम है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि एक्मे सोलर ने बोली 4.35 रुपये प्रति यूनिट की दर से लगाई। आरईएमसी लिमिटेड की 24 घंटे 1,000 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए जारी निविदा में एक्मे सोलर 130 मेगावाट के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। रेलवे अपनी विशिष्ट भार आवश्यकताओं के कारण पूरे दिन एक समान बिजली की जरूरत होती है।

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानस्कीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

गैर-अमेरिकी बाजार समुद्री निर्यात के लिए नए इंजन बनकर उभरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 16.18 प्रतिशत बढ़ा

भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 2025-26 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 16.18% बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चीन, वियतनाम, रूस, कनाडा और ब्रिटेन सहित गैर-अमेरिकी बाजारों में अच्छी वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही।

भारतीय समुद्री उत्पादों पर 50% शुल्क से अमेरिका को निर्यात प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में व्यापार करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। पारंपरिक रूप से भारत के सबसे बड़े झींगा बाजार अमेरिका को निर्यात में 7.43% की गिरावट आई और यह 8.54 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि चीन, वियतनाम, बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात में हुई शानदार वृद्धि से इस कमी की भरपाई हो गई। ये लाभ निर्यात गंतव्यों में विविधता एवं वैश्विक सोर्सिंग प्रवृत्तियों में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं क्योंकि एशिया व यूरोप में खरीदार निरंतर गुणवत्ता तथा प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। सात महीने के दौरान चीन और वियतनाम को झींगा व प्रॉन का निर्यात क्रमशः 24.54 और 123.63% बढ़कर 56.83 करोड़ डॉलर तथा 26.16 करोड़ डॉलर हो गया। बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात क्रमशः 94.18, 10.84, 49, 13.54 और 28.81 प्रतिशत बढ़ा।

आसियान से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीएमए ने सोमवार को कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14 प्रतिशत बढ़ गया, जो एक खतरनाक प्रवृत्ति जारी रहने का सूचक है। पिछले चार साल में आसियान देशों से आयात मात्रा 30% से ज्यादा संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स के महानिदेशालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से आयात 2.07 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले साल 1.82 लाख टन था। अब भारत के कुल पेपर और पेपरबोर्ड आयात में आसियान देशों का हिस्सा 20% से ज्यादा है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5% की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2025-26 का लगाया अनुमान
- कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5% और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने का अनुमान लगाया है जो 2024-25 की 6.5% की वृद्धि दर से बेहतर है।

जीएसटी की कम दरें और आयकर एवं ब्याज दरों में कटौती बन सकती है उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक

एसएंडपी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5% की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5% पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत पर प्रभावी अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी से देश में निर्यातोन्मुखी विनिर्माण के विस्तार पर असर पड़ रहा है। ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम कर सकता है। व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए बातचीत करने में समय एवं पैसा खर्च कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से ध्यान हट रहा है।

राष्ट्रीय

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

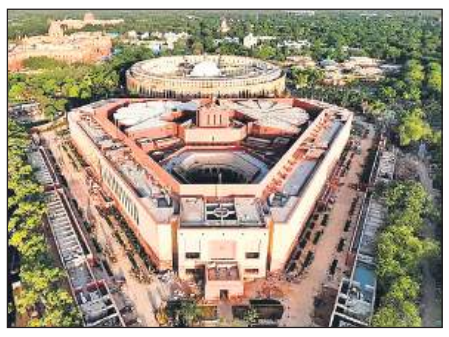

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

एनसीईआरटी के कामकाज और प्रदर्शन की भी होगी समीक्षा

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, समिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कामकाज और प्रदर्शन की भी समीक्षा करेगी। साथ ही भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी जांच करेगी। समिति भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (एचईसीआई) बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के ''प्रयासों'' के संबंध में भी जानकारी मांगेगी। यूजीसी जैसी संस्थाओं की जगह लेने वाले एक उच्च शिक्षा नियामक की स्थापना के लिए एक विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना निर्धारित है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा।

32 लाख की प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 32 लाख से अधिक मूल्य की 54 हजार 'ट्रामाडोल' गोलियां जब्त की हैं और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह का संबंध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने का भी संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूफिया सूचना पर पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर एक्सटेंशन-1 में एक व्यक्ति को बड़ा बैग ले जाते पकड़ा। मदनपुर खादर निवासी मोहम्मद आबिद (50) के कब्जे से 'ट्रेकेन-100' की 54 हजार गोलियां बरामद की गई। ट्रामाडोल से संबंधित ट्रेकेन-100 दवाई स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं।

वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन, पुलिस पर पेपर स्प्रे करने के आरोप में 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

पुलिस ने वायु प्रदूषण को लेकर इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान सड़क अवरुद्ध और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डालने और उन पर हमला करने के आरोप में 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।एक प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में जबकि दूसरी कर्तव्य पथ थाने में दर्ज हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को प्रदर्शन स्थल पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटनास्थल से हटाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर 'पेपर स्प्रे' का इस्तेमाल किया। स्थिति हाथापाई में बदल गई, जो असामान्य और दुर्लभ हरकत है। इस घटना में अब तक पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्र ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि इंडिया गेट कोई निर्धारित विरोध स्थल नहीं है। प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा गया था। जंतर-मंतर निर्धारित विरोध स्थल है और कोई भी अनुमति लेकर वहां प्रदर्शन कर सकता है। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक लांघकर सी-हेक्सगन को जाम कर दिया था। वे एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर बैठे रहे, जिससे जाम में फंसे लोग रास्ता खाली करने का अनुरोध कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जाने के लिए कहा, तो उन्होंने दुर्व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

हिडमा को लेकर लगे नारे

प्रदर्शन में शामिल संगठन साइंटिस्ट्स फॉर सोसाइटी (एसएफएस) ने उन समूहों से दूरी बनाई, जिन्होंने हिडमा के समर्थन में नारे लगाए। एसएफएस ने बताया कि हिमखंड तथा बीएससीईएम नामक दो संगठनों ने भाकपा (माओवादी) नेता माडवी हिडमा की के संबंध में नारे लगाने शुरू कर दिए। वह ऐसे मुठभेड़ों की स्पष्ट रूप से निन्दा करता है।

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं। इन सभी पर 48 लाख के इनाम घोषित थे।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय पर बीएलओ का प्रदर्शन

- काम के दबाव को लेकर कार्यालय में की घुसने की कोशिश
- प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हुई हाथापाई

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में सीईओ कार्यालय के बार प्रदर्शन करते बीएलओ।

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सोमवार को काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, जिसमें ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मध्य कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय में घुसने के लिए पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि उन्हें जुलूस निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कवायद के दौरान अत्यधिक और अमानवीय कार्य दबाव की उनकी शिकायतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एक पदाधिकारी ने दावा किया कि बीएलओ को कम समय में कार्य पूरा करने का निर्देश है, हालांकि इसी कार्य में आमतौर पर दो साल से अधिक समय लगता है। समिति ने आरोप लगाया कि बीएलओ बीमार पड़ रहे हैं और उनमें से दो ने तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। समिति ने पूर्व में कहा था कि पारा-शिक्षक, कॉलेज प्रोफेसर और विभिन्न संगठनों के शिक्षक इस प्रदर्शन में समर्थन के लिए शामिल होंगे, जिससे निर्वाचन आयोग पर तत्काल हस्तक्षेप के लिये दबाव डाला जा सके।

समय-सीमा बढ़ाने तक विरोध की दी चेतावनी

समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा नहीं बढ़ाई गई या सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह निरंतर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। एक अन्य संगठन, बीएलओ ओइक्या मंच ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण से संबंधित मुद्दों को अलग से उठाया और अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों की मांग की। 'एक्स' पर टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में स्वतंत्र है, तो उसे बूथ स्तर के अधिकारियों की सुरक्षा करनी चाहिए, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी होना चाहिए।

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँ कि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

- पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत्त वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत्त सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रेकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक ट्रू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

- डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

अमृत विचार

मंगलवार, 25 नवंबर 2025

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
–श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तित्व के साथ समाज का प्रतिनिधित्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु-पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

–इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

–प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओं की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

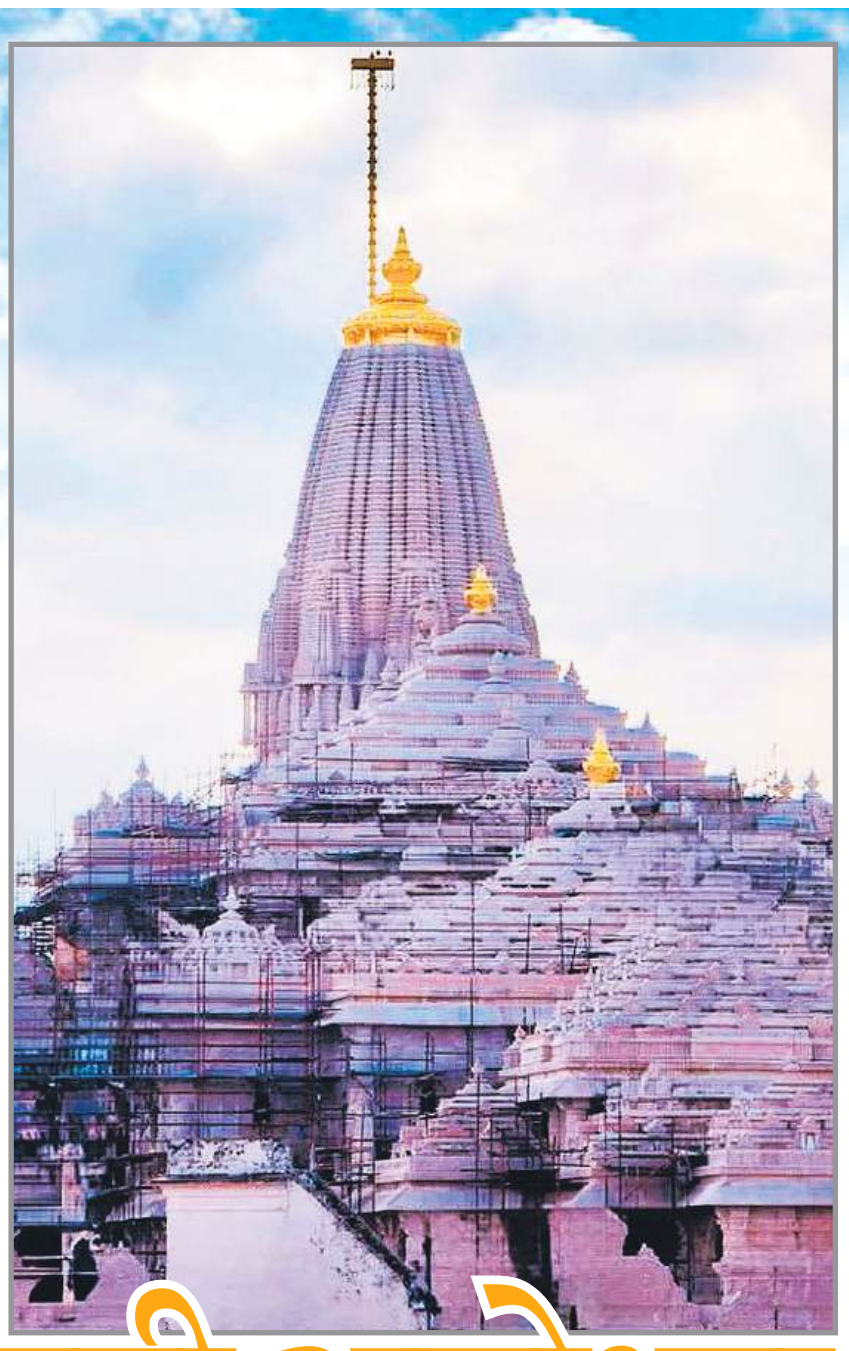

राम नगरी अयोध्या

अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश-दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद
  मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर
  मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।
- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात
  1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।
- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण
  देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।
- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा
  आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।
- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति
  17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।
- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान
  1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।
- 1986 : परिसर का ताला खुला
  कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

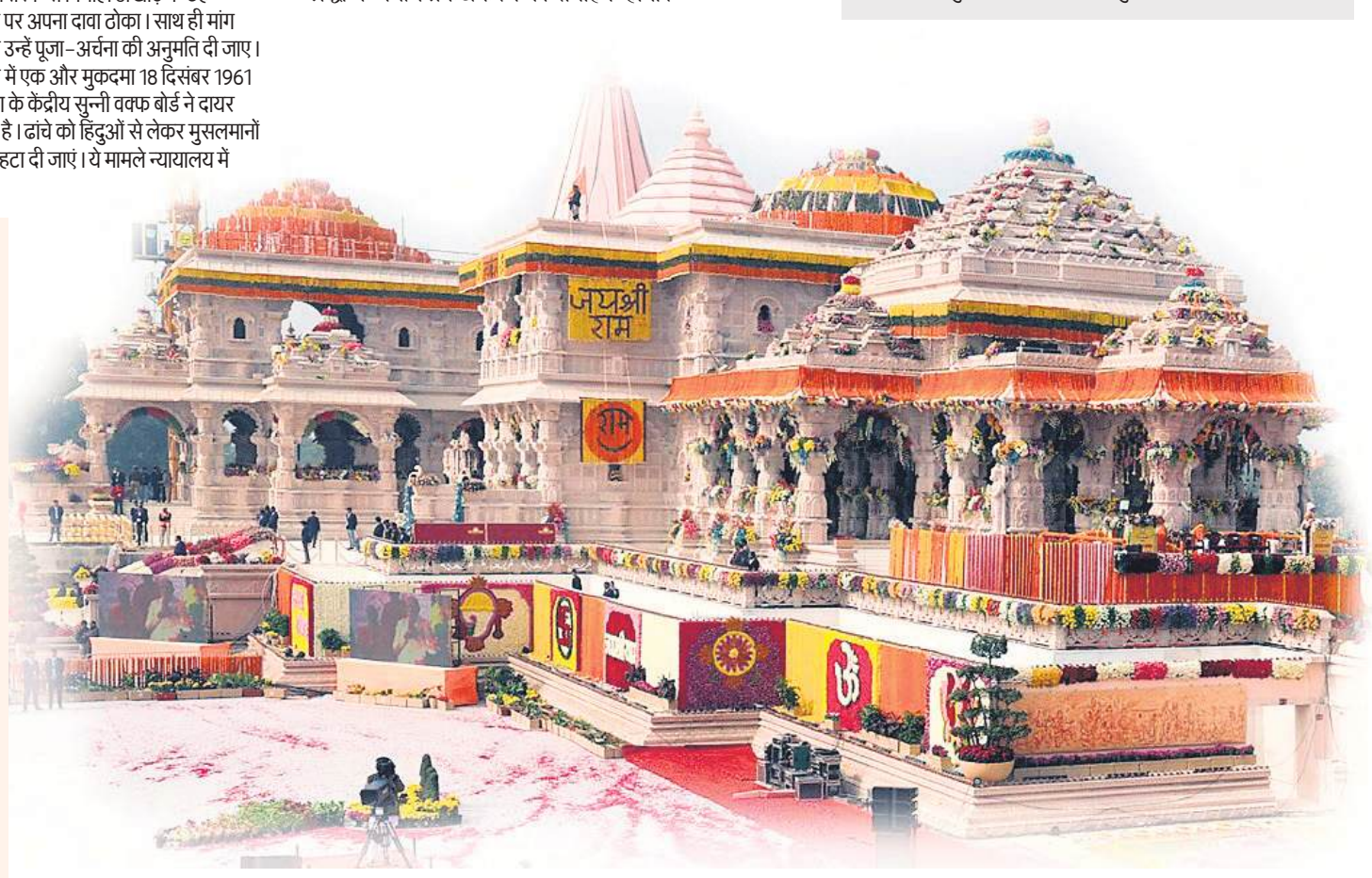

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी।
7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

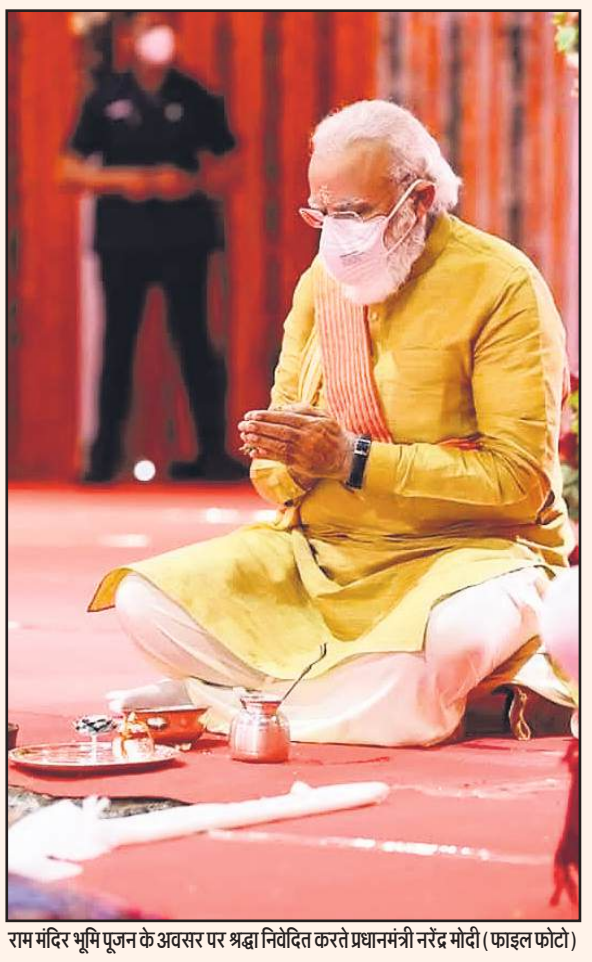

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र- गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई, लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिए तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, मंगलवार 25 नवंबर 2025

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रैंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्ज क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन । केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट शृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंतत: दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो । भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

यशस्वी का यानसेन बो हार्मर 58
राहुल का मारक्रम बो महाराज 22
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर 15
जुरेल का महाराज बो यान्सेन 00
ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन 07
जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन 06
रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन 10
वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर 48
कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन 19
बुमराह का वेरेन बो यान्सेन 05
मोहम्मद सिराज नाबाद 02

गेंदबाजी : यानसेन 19 .5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मार्करम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

रेयान रिकेल्टन नाबाद 13
ऐडन मारक्रम नाबाद 12

गेंदबाजी : बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं। उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका, एजेंसी

- **बेटियों ने फिर किया कमाल 30 दिन में 3 वर्ल्ड कप**
- **फाइनल में चीनी ताइपै को 35-28 से हराया**

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया।

भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई। उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया।

उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचा जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभाएं शिखर पर क्यों हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

-अमित शाह , गृहमंत्री

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।